डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

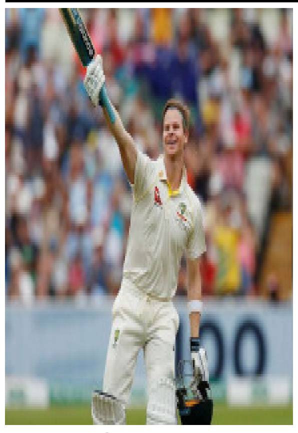

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः प्रियंका चोपड़ा ने शेयर की प्री ऑस्कर इवेंट की तस्वीरे

वर्ष -08 अंक -23 प्रयागराज, शनिवार 26 मार्च, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

देश में कोरोना के 1685 नए मामले, 22 हजार से कम हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामलों को लेकर अपडेट जारी हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। कोरोना के आज 1,685 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा इस दौरान 83 लोगों मरीजों की मौत भी हुई है। इससे पहले गुरुवार को कोरोना के 1,938 मामले दर्ज किए गए थे स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस अवधि में कोरोना के 2,499 लोग डिस्चार्ज हुए हैं। एक्टिव केस घटकर अब 21,530 हो गए हैं। देश में अब तक कोरोना के कुल 4,24,78,087 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि कुल 4,30,16,372 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, अब तक कोरोना से 5,16,755 मरीजों की मौत हो चुकी है। साथ ही डेली पाजिटिविटी दर अब 0.24 फीसद हो गई है। उधर, देश में कोविड रोधी टीकाकरण अभियान तेजी से जारी है। देश में अब तक वैक्सीन की 182.46 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। 97.94 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की पहली खुराक दी गई है जबकि 82.42 करोड़ से ज्यादा दूसरी डोज दी गई है। वहीं, 2.09 करोड़ से ज्यादा प्रीकाशन डोज भी लगाई जा चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली अप्रैल को करेंगे छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा, छात्रों को तनाव से बचने का देंगे मंत्र

नई दिल्ली। दसवीं और बारहवीं बोर्ड सहित दूसरी अहम प्रतियोगी परीक्षाओं से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर से छात्रों को परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव को दूर करने का मंत्र देते दिखेंगे। यह चर्चा अब एक अप्रैल को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में होगी। इसमें छात्रों के साथ शिक्षक और अभिभावक भी शामिल होंगे। कोरोना संकट के चलते पहले इस चर्चा को पिछले साल की तरह वर्चुअल ही रखा गया था, लेकिन कोरोना की स्थिति में तेजी से हुए सुधार के बाद शिक्षा मंत्रालय ने इस चर्चा को पहले की तरह आयोजित करने का एलान किया है। शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को पीएम मोदी की छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा की तारीख घोषित की। जिसमें छात्र पहले की तरह पीएम के साथ बैठकर परीक्षा और पढ़ाई से जुड़े विषयों पर सीधे सवाल पूछ सकेंगे।

भारत ने ओआइसी को कश्मीर पर प्रस्ताव पारित करने पर आड़े हाथों लिया, झूठा और भ्रामक बताया

नई दिल्ली। कश्मीर पर बेवजह टिप्पणी करने पर चीन को फटकार लगाने के बाद भारत ने अब इस्लामिक देशों के संगठन (ओआइसी) को कश्मीर पर प्रस्ताव पारित करने पर आड़े हाथों लिया है। ओआइसी सदस्यों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक पाकिस्तान में हुई थी। इसमें एक प्रस्ताव पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से कश्मीर समस्या का समाधान किए बगैर दक्षिण एशिया में शांति संभव नहीं है। भारत ने इस प्रस्ताव को झूठा व भ्रामक करार देते हुए कहा है कि इससे ओआइसी की अप्रासंगिकता का पता चलता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि प्रस्ताव न केवल ओआइसी की अप्रासंगिकता के बारे में बताता है, बल्कि हेर फेर करने की पाकिस्तान की भूमिका के बारे में भी बताता है। इसमें भारत के बारे में जो बातें कही गई हैं वो पूरी तरह से आधारहीन व झूठ पर आधारित हैं। अरिंदम बागची ने ओआइसी की तरफ से अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले व्यवहार पर टिप्पणी करना भी संगठन की मूर्खता के बारे में बताता है जो पाकिस्तान के इशारे पर किया गया है, जहां मानवाधिकार का लगातार उल्लंघन होता रहता है। इस तरह के प्रस्ताव

में शामिल होने वाले देशों व सरकारों को अपनी प्रतिष्ठा के बारे में भी सोचना चाहिए। भारत ने एक दिन पहले इसी ओआइसी की बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी की तरफ से की गई टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज जताया था। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान ओआईसी की बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के जम्मू-कश्मीर पर दिए गए बयानों की निंदा करते हुए इन्हें खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जम्मू-काश्मीर से जुड़े मामले पूरी तरह से आंतरिक मामले हैं। चीन समेत दुनिया के किसी भी देश को जम्मू-कश्मीर पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

आपकी मौज मस्ती से मुश्किल में है ध्रुवीय भालू का जीवन

नई दिल्ली। छुट्टियों में अपनी कार से परिवार के साथ लम्बे सफर पर निकल जाना किसे अच्छा नहीं लगता। पर क्या आपको पता है कि आपके इस आनंद के लिए सिर्फ

आपको नहीं इस धरती पर रहने वाले कई जीवों को कीमत चुकानी पड़ती है। आपके और आपके बच्चों ने किताबों में इग्लू हाउस और पोलर बियर की बातें पढ़ी होंगी, लेकिन हो सकता है कि आने वाली पीढियों के लिए ये सब इतिहास की बातें हों। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञ इसका सबसे बड़ा कारण गाडियों से निकलने वाले धुएं या पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म इंधन को जलाए जाने को मान रहे हैं। धरती का तापमान बढ़ने से माना जा रहा है कि धरती के उत्तरी ध्रुव पर पाए जाने वाले पोलर बियर या ध्रुवी भालू भी डाइनासोर की तरह इतिहास में दर्ज हो जाएंगे। ध्रुवीय भालू का कोई प्राकृतिक शत्रु नहीं होता है। मनुष्य उनका सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्हें आइय्यूसीएन रेड लिस्ट ऑफ़ थ्रेटड स्पीशीज़ में असुरक्षित बताया गया है। प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (घ्छळ्न) ने ग्लोबल वार्मिंग को ध्रुवीय भालू के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए इसे ऐसी स्पीसीज के तौर पर सूचीबद्ध किया है जो खतरे में हैं। दरअसल, ध्रुवीय भालू के आवास समुद्री बर्फ के आसपास होते हैं। इसके पिघलने से पर्याप्त भोजन खोजने की इसकी क्षमता कम हो जाती है। बर्फ से ढके आर्कटिक में ध्रुवीय भालू दुनिया के सबसे बड़े मांसाहारी जीव हैं। वे ज्यादातर सील को खा कर अपना पेट भरते हैं। ध्रुवीय भालू बिना रुके लगभग 60 मील तक तैर सकते हैं और 10 मील दूर तक शिकार को सूंघ सकते हैं। ध्रुवीय भालू आकार में 2.5 मीटर तक होत हैं। ध्रुवीय भालू न केवल सबसे बड़ा भालू है, बल्कि धरती पर रहने वाला दुनिया का सबसे बड़ा मांसाहारी जीव भी है। वे आकर्षक जीव हैं जो पृथ्वी पर कुछ सबसे कठोर और ठंडे वातावरण में जीवित रहने के लिए विकसित हुए हैं। ध्रुवीय भालू मुख्य रूप से आर्कटिक से लगे कनाडा, अलास्का, ग्रीनलैंड, रूस और नॉर्वे के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं। जमीन पर पैदा होने के बावजूद वे अपना ज्यादातार समय समुद्र में बिताते हैं और केवल समुद्री बर्फ से ही शिकार करते हैं। ध्रुवीय भालू आमतौर पर मांसाहारी होते हैं, हालांकि शिकार न मिलने पर वे अन्य खाद्य स्रोतों पर निर्भर हो जाते हैं। उनका मुख्य आहार समुद्र में पाई जाने वाली सील है, लेकिन वे मरी हुई व्हेल मछली भी खा लेते हैं।

योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री की शपथ के साथ ही केशव प्रसाद मौर्य व बृजेश पाठक बने उपमुख्यमंत्री सभी मंत्री ने शपथ ली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत तथा लगातार दूसरी बार सरकार बनाने में अहम भूमिका अदा करने वाले योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक ने भी उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इनके साथ 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्री ने शपथ ग्रहण की।योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी के इकाना स्टेडियम में दोबारा यूपी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। योगी आदित्यनाथ को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई है। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और बीजेपी शासित राज्यों के सीएम शामिल हुए। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खनन, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह और बेबी रानी मौर्य ने उत्तर प्रदेश के मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेन्द्र सिंह चौधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविन्द कुमार शर्मा, योगेन्द्र उपाध्याय, आशीष पटेल और निषाद पार्टी के संजय निषाद ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। कैबिनेट मंत्री के बाद स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। दो-दो मंत्रियों को एक साथ शपथ दिलाई गई। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल व कपिल देव

अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल व संदीप सिंह, गुलाब देवी व गिरीश चन्द्र यादव, धर्मवीर प्रजापति व असीम अरुण, जेपीएस राठौर व दयाशंकर सिंह तथा नरेन्द्र कश्यप व दिनेश प्रताप सिंह, तथा अरुण कुमार सक्सेना व दयाशंकर मिश्र 'दयालू' ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पद की शपथ ली गई।उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में मिला है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो उपमुख्यमंत्री और 50 मंत्रियों के साथ शपथ ली। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के हैं। शपथ ग्रहण के बाद शाम को सात बजे योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल की पहली बैठक होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार में केशव प्रसाद मौर्य ब्रजेश पाठक को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। पार्टी में ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाया गया है। इससे तय हो गया कि भाजपा अब ब्राह्मणों की लीडरशिप में बदलाव कर रही है। इसी के साथ दो उपमुख्यमंत्री, 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्री ने शपथ ग्रहण की। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है।

यूक्रेन संकट और पड़ोसी मुल्कों में तेजी से बदलते घटनाक्रमों पर भारत की पैनी नजर सरकार ने संसद में विपक्ष के दूर किए भ्रम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार रूस यूक्रेन युद्ध के सभी पहलुओं पर बारीकी से नजर रख रही है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के नेतृत्व में विभिनन्‍ मंत्रालयों के एक समूह की ओर से यूक्रेन रूस संघर्ष से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की जा रही है। सरकार की ओर से इस संकट से देश के व्यापार पर पड़ने वाले प्रभावों का भी आकलन किया जा रहा है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रशन्काल के दौरान शिरोमणि अकाली दल के नेता नरेश गुजराल की ओर से पूछे गए एक पूरक सवाल का जवाब देते हुए कहा- 'रूस के साथ व्यापार के क्षेत्र में पैदा हो रही समस्याओं के कारण सरकार भुगतान समेत विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर रही है। वित्त मंत्रालय के नेतृत्व में

सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से मिलकर बना एक समूह इन मामलों की समीक्षा कर रहा है। नरेश गुजराल ने कहा कि देश को रूस के साथ व्यापार करने में नित नई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी मुल्क दोहरा खेल खेल रहे हैं। एक तरफ तो वे रूस से पेट्रोलियम आयात करना जारी रखते हैं जबकि दूसरी तरफ हमें (भारत) रूस के साथ व्यापार नहीं करने का ज्ञात देते हैं। कई वर्षो से भारत की एक नीति थी। इसके तहत हम रूस के साथ रुपये का व्यापार करते थे। शिरोमणि अकाली दल के नेता नरेश गुजराल ने पूछा कि क्या सरकार इस मसले पर सोच रही है ताकि हमें नुकसान न हो और हम रूस से आयात जारी रख सकें इस सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता है। यह हमारे आयात के एक फीसद से भी कम है जबकि दूसरे देश 10, 15, 20 गुना ज्यादा आयात करते हैं। राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा के एक अन्य पूरक सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत की नीति पर बहुत स्पष्ट है। यह आपसी विश्वास पर आधारित है। इसके तहत देश की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। पड़ोसी मुल्कों में तेजी से घटनाक्रम हो रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से हमारे ध्यान में है। हम बहुत सावधानी से इन घटनाओं की निगरानी कर रहे हैं।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने एस जयशंकर से की मुलाकात प्रतिनिधिमंडल स्तर की हुई वार्ता

नई दिल्ली। भारत दौरे पर पहुंचे चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपने समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात की है। इससे पहले, उन्होंने आज सुबह देश के राष्ट्रीय सुरक्षा

सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। वांग यी शुक्रवार सुबह एनएसए अजीत डोभाल के साउथ ब्लाक स्थित ऑफिस उनसे मिलने पहुंचे थे। बता दें कि चीनी विदेश मंत्री गुरुवार रात दिल्ली पहुंचे थे। भारत के बाद चीनी विदेश मंत्री नेपाल का दौरा करने वाले हैं। शुक्रवार दोपहर वांग यी नेपाल के लिए रवाना होंगे।नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी दोपहर तीन बजे काठमांडू पहुंचेंगे। उनके बांग्लादेश जाने की भी संभावना है वांग यी के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी नाराजगी जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने वांग यी के जम्मू-कश्मीर पर दिए बयान को गैर-जरूरी बताते हुए इसे खारिज कर दिया था। बागची ने कहा कि चीन समेत किसी भी देश को कश्मीर मसले पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। हम पाकिस्तान में ओआईसी परिषद के उद्घाटन समारोह में भाषण के दौरान कश्मीर मसले पर चीनी विदेश मंत्री वांग यी के भारत के लिए अनावश्यक संदर्भ को अस्वीकार करते हैं। जम्मू-कश्मीर पूरी तरह से भारत का आंतरिक मसला है। बागची ने यह भी कहा कि चीनी विदेश मंत्री को ध्यान देना चाहिए कि भारत उनके आंतरिक मसलों पर सार्वजनिक बयानबाजी नहीं करता है।

अमेरिका ने रूस के सांसदों समेत रक्षा क्षेत्र की कंपनियों पर लगाया बैन

नई दिल्ली। आज यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ अपनी दूसरी पारी का आगाज करने जा रहे हैं। आज योगी दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के साथ ही योगी

एक नया रिकार्ड भी बना देंगे जिसमें वह पहले नेता होंगे जिसने यूपी में लगातार दूसरी बार सीएम पद की शपथ ली होगी। बता दें कि इस समारोह में पीएम मोदी समेत कई बड़े नेता शामिल होने वाले हैं और इसमें 80,000 लोगों के आने का अनुमान है। दूसरी ओर आज पड़ोसी देश पाकिस्तान में इमरान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश होना है। जानकारी के अनुसार इमरान की पार्टी के पास बहुमत का आंकड़ा नहीं है और उसका गिरना लगभग तय है। वहीं पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने भी इसका अंदेशा जता दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अनिश्चितता को खत्म करने के लिए पाक में जल्द चुनावों का ऐलान हो सकता है। वहीं रूस-यूक्रेन में आज युद्ध का 30वां दिन हैं और रूसी सेना लगातार बमबारी कर रही है। दूसरी ओर नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) ने कल यह साफ कर दिया है कि वह इस युद्ध में सीधे तौर पर शामिल नहीं होगा लेकिन यूक्रेन की मदद करना जारी रखेगा।

योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण से पहले प्रयागराज में विशेष पूजा-पाठ

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के सीएम के तौर पर आज योगी आदित्यनाथ शपथ लेंगे ऐसे में शपथ ग्रहण से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगम नगरी प्रयागराज के नगर देवता के मंदिरों में पूजा अर्चना करना शुरू कर दिया है। शंख, ढोल , डमरू के साथ बीजेपी कार्यकर्ता प्रयागराज में जगह-जगह मंदिरों में पूजा अर्चना कर रहे हैं। नगर के देवता कहे जाने वाले वेणी माधव मंदिर में भारी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता घंटा घडि़याल और शंखनाद के साथ मंदिर में भव्य तरीके से पूजा आराधना की। इसके बाद बेनी माधव मंदिर के बाहर लोगों को मिठाइयां भी बांटी गई बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस तरह से पिछले 5 साल बीजेपी की सरकार चली है उससे भी अच्छे तरीके से इस बार की योगी सरकार चलेगी कार्यकर्ताओं ने कहा कि बाबा का बुलडोजर लगातार चलते रहना चाहिए गौरतलब है कि बीजेपी के नेतृत्व ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए थे कि आज मंदिरों की साफ़ सफाई और पूजा अर्चना करने के लिए। उसी कड़ी में संगम नगरी प्रयाग राज के मगर देवता बेनी माधव मंदिरों समेत कई जगह बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्तायों ने आरती और पूजा अर्चना का दौर जारी है।

केशव प्रसाद को दोबारा मिला डिप्टी सीएम पद, सिराथू में समर्थक चहके, बांटी मिठाई

प्रयागराज। आखिरकार तमाम कयासों के बीच केशव प्रसाद को यूपी बीजेपी सरकार में दोबारा डिप्टी सीएम पद से नवाजा गया है। कुछ देर पहले उन्होंने योगी आदित्यनाथ के बाद डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। इस बार वह सिराथू सीट से वह भले ही चुनाव हार गए थे लेकिन इसके पहले विधानसभा चुनाव 2017 में जब भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की थी, तब भी उनकी अहम भूमिका रही है। उस विजेता रथ के सारथी बने थे केशव प्रसाद मौर्य। उनके कौशल को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में उप मुख्यमंत्री का दायित्व दिया गया था। विधानसभा चुनाव 2022 में वह कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से मैदान में उतरे लेकिन उन्हें सपा समर्थित अपना दल कमेरावादी की उम्मीदवार पल्लुवी पटेल से शिकस्त खानी पड़ी। फिर भी भाजपा सरकार में उनका कद कमतर नहीं आंका गया। उन्हें दूसरी बार भी कैबिनेट में जगह देकर उपमुख्यमंत्री का पद भी बरकरार रखा गया केशव प्रसाद मौर्य को दोबारा डिप्टी सीएम बनाए जाने की खुशी में सिराथू विधानसभा क्षेत्र के कड़ा धाम देवीगंज बाजार में समाजसेवी डाक्टर अनिल कुशवाहा समेत कई समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े

और केशव जिंदाबाद के नारे लगाए राजनीति के अखाड़े में केशव प्रसाद मौर्य की सफलता का क्रम देखें तो वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में सिराथू विधानसभा सीट समान्य घोषित हुई तो वह भाजपा के टिकट पर उतरे। प्रदेश में सपा की लहर के बावजूद वह जीत हासिल करने में सफल हुए। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में इलाहाबाद की फूलपुर सीट से भाजपा ने टिकट दिया। उन्होंने तीन लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की और देश की संसद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वर्ष 2016 में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश में भाजपा को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश अध्यक्ष बनाया। उस जिम्मेदारी का भी बखूबी निर्वहन किया। केशव राजनीति की मुख्य धारा से जुड़े तो भाजपा ने इलाहाबाद पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से उन्हें उप चुनाव 2004 में माफिया अतीक अहमद के खिलाफ मैदान में उतारा। यहां किसमत ने साथ नहीं दिया और हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अतीक के भाई खालिद अजीम के खिलाफ भी वह चुनाव लड़े। दूसरी बार भी शिकस्त का सामना करना पड़ा। केशव प्रसाद मौर्य के जीवन वृत्त पर नजर डालें तो टर्निंग प्वाइंट विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल से मुलाकात और श्री राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भागीदारी को माना जा सकता है। उन्होंने बढ़ चढ़कर मंदिर आंदोलन में सहयोग किया और 1992 तथा 1993 में कारसेवकों की खूब मदद की। राजनीतिक गलियारे में भी उनकी पहचान बनती रही यही वजह है कि वह आज राजनीति में गहरी जड़ें जमा चुके हैं। केशव प्रसाद मौर्य की सफलता विरासत में नहीं मिली। इसके लिए उन्होंने खुद कोशिश की और रास्ता बनाया। केशव का जन्म 7 मई 1969 को कौशांबी जनपद के सिराथू में शाक्य वंश के साधारण से मौर्य परिवार में हुआ था। बचपन तमाम संघर्षों के बीच गुजरा। पिता श्याम लाल व माता धनपत्ती देवी खेती कर परिवार का गुजारा करते थे। केशव तीन भाई व तीन बहन हैं। उन्होंने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिराथू से ग्रहण की। दसवीं व बारहवीं की शिक्षा दुर्गा देवी इंटर कालेज ओसा मंझनपुर से की थी। आगे चलकर उन्होंने हिन्दी साहित्य सम्मेलन से साहित्य रतन की भी डिग्री हासिल की। केशव प्रसाद मौर्य ने परिवार को आर्थिक मदद देने के लिए स्कूल के दिनों में ही सिराथू तहसील के पास चाय की दुकान लगा ली थी। इसके साथ ही वह हर सुबह अखबार भी बांटते। दिन में पूरा समय उसी चाय की दुकान पर गुजरता था। यह उनकी और परिवार की जरूरत पूरी करने के लिए जरूरी भी था, सो पूरे मनोयोग से वह इस कार्य को करते थे। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी बताते है कि इन्हीं दिनों उनकी मुलाकात विश्व हिंद परिषद से जुड़े कुछ लोगों से हुई। इसके बाद से वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से भी जुड़ गए। धीरे धीरे संघ की विचारधारा से प्रभावित होकर उन्होंने संगठन के कार्यों में रुचि लेना शुरू कर दिया। बाद में विहिप के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल से भी उनकी मुलाकात हुई। यहीं से उनके भीतर दबे प्रखर राष्ट्रवाद को और हवा मिली। उन्हें अलग अलग दायित्व भी दिए जाने लगे। धीरे धीरे वह राजनीति की ओर भी बढ़ने लगे।

नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बसपा से शुरू की थी पारी और कैबिनेट में बनाया था स्थान

प्रयागराज। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में दूसरी बार जगह बनाने में नंद गोपाल गुप्त नंदी कामयाब रहे। उन्होंने इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा सीट से तीसरी बार जीत दर्ज की है। उनकी सियासी पारी 2007 में बसपा के साथ शुरू हुई थी। इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा सीट से पहले प्रयास में ही भाजपा के कद्दावर नेता पं. केशरीनाथ त्रिपाठी को मात दी थी। यही वजह थी कि बसपा सरकार में उन्हें मंत्रिमंडल का हिस्सा बनाया गया था। 2012 के विधानसभा चुनाव में भी बसपा के टिकट पर लड़े लेकिन सपा प्रत्याशी हाजी परवेज अहमद से 414 मतों से पराजित हुए। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट से इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाग्य आजमाया लेकिन इस बार भी सफलता नहीं मिली। 2017 विधानसभा चुनाव में पाला बदलते हुए नंद गोपाल गुप्त नंदी ने बीजेपी का दामन थाम लिया। इस बार सपा प्रत्याशी परवेज अहमद टंकी को हराने में सफल हुए। भाग्य ने साथ दिया और भाजपा सरकार में भी कैबिनेट मंत्री का पद मिला। 2022 में भाजपा ने फिर उन्हें मौका दिया। पार्टी के विश्वास पर खरे उतरते हुए उन्होंने सपा प्रत्याशी रईस शुक्ला को शिकस्त दी। खास बात यह कि प्रत्येक चुनाव में नंद गोपाल गुप्त नंदी अपने जनाधार को बढ़ाने में सफल रहे। 2007 में शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से

जब नंद गोपाल गुप्त नंदी ने चुनाव लड़ा तो उन्हें 35 हजार वोट मिले थे। 2012 में यह आंकड़ा 48 हजार पहुंच गया हालांकि इस बार हार का सामना करना पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनाव में एक लाख से अधिक वोट मिले थे। 2017 में वोटों की संख्या 93 हजार पार कर गई जबकि 2022 में मतों की संख्या 97487 पहुंच गई। इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने नंद गोपाल गुप्त नंदी का बचपन चुनौतियों भरा रहा। प्रयागराज के बहादुरगंज मुहल्ले में 23 अप्रैल 1974 को उनका जन्म हुआ। पिता सुरेश चंद्र डाक विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। मां विमला देवी घर में सिलाई, बुनाई करती थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उनकी पढ़ाई हाईस्कूल तक ही हो सकी। वह घर में आर्थिक सहयोग देने के लिए बचपन में पटाखा, रंग-गुलाल की दुकान लगाते। परिस्थिति सुधरने पर 1992 में मिठाई की दुकान शुरू की। इसके बाद कारोबार को बढ़ाने का सिलसिला शुरू हुआ। उन्होंने एक ट्रक लिया फिर घी और दवाओं की एजेंसी भी ले ली। 1994 में एक रिश्तेदार के साथ मिलकर ईट भट्टे का भी कारोबार किया। आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने पर नंदी ग्रुप आफ कंपनीज बनाई और अब व्यवसाय के क्षेत्र में किसी चमकते हुए सितारे से कम नहीं हैं। नंद गोपाल गुप्त नंदी की पतनी अभिलाषा गुप्ता नंदी वर्तमान में प्रयागराज की महापौर हैं। इससे पहले वह 2012 में भी नगर निगम चुनाव जीत कर महापौर बनी थीं। परिवार में बेटा अभिषेक व नमन के अतिरिक्त बेटी जाह्नवी भी हैं। नंद गोपाल गुप्त नंदी की पतनी अभिलाषा गुप्ता नंदी वर्तमान में प्रयागराज की महापौर हैं। इससे पहले वह 2012 में भी नगर निगम चुनाव जीत कर महापौर बनी थीं। परिवार में बेटा अभिषेक व नमन के अतिरिक्त बेटी जाह्नवी भी हैं।

प्रयागराज में सिद्धपीठ कल्याणी देवी मंदिर परिसर में उमड़े भक्त, लग रहे जयकारे

प्रयागराज। लोग कहते है कि होली से त्योहारों पर कुछ महीने के लिए विराम लग जाता है लेकिन होली के ठीक बाद शीतला अष्टमी शुक्रवार को मानो त्योहारों का द्वार खोलने आई हो। शहर के मीरापुर में स्थित सिद्धपीठ मां कल्याणी देवी मंदिर परिसर में हजारों लोग फूल माला, अगरबत्ती, धूप और फल लेकर मां के दरबार में पहुंचे। शीतलाष्टमी पर माता की प्रातः भव्य मंगला आरती हुई। इसके बाद पूजन-अर्चन का क्रम शुरू हुआ। व्रती महिलाओं ने बासी हलवे का प्रसाद चढ़ाकर मनोकामना मांगी। मंदिर के बाहर मेला भी लगा है। आज शीतला अष्टमी है। इस दिन सभी देवी मंदिरों में मां की आराधना होती है। मां शीतला से मनोकामना पूर्ण होने की इच्छा रख महिलाएं व्रत रखती हैं। एक दिन पहले हलवा बनाकर घर में रखने और उसे शीतला अष्टमी पर मां को भोग

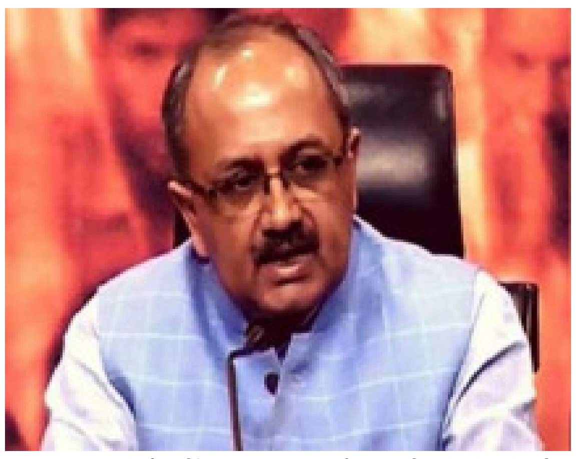

लगाकर प्रसाद पाने की धार्मिक मान्यता और परंपरा है। मां कल्याणी देवी मंदिर में इस पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। शुक्रवार को शीतला अष्टमी पर मंदिर में भोर में पंडित सुशील पाठक और पंडित श्यामजी पाठक ने भव्य आरती की। रतन जडित आभूषण से मां का श्रृंगार हुआ और श्रद्धालुओं के जयकारे से मंदिर परिसर ही नहीं आसपास के इलाके भी गूंज उठे। आरती के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं का ऐसा ताता लगा कि सड़क तक कई कतारें लग गई। हर कोई मंदिर में पहुंचने के लिए एक एक कदम आगे बढ़ता और जयकारा लगाता रहा। मंदिर के द्वारे लगे मेले में शहरियों की भीड़ उमड़ी। महिलाओं और बच्चों ने दुकानों पर खरीदारी की। खाने की सामग्री, खेल खिलौने, फूल माला, पूजन सामग्री की दुकानों पर भीड़ रही। भोर में तो लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। शीतलाष्टमी पर शाम को भी भीड़ उमड़ेगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिन्यों को भी तैनात किया गया है।

पत्नी गई मायके तो प्रयागराज नगर निगम संविदा कर्मी ने खुदकशी की

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के करैलाबाग में रहने वाले उमेश भारतीय (35) ने गुरुवार की रात घर में ही फंदे से लटककर जान दे दी। शुक्रवार सुबह स्वजनों ने कमरे में उसकी लटकती लाश देखी तो करेली पुलिस को जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। कमरे को खंगाला, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। स्वजनों से पूछताछ की गई तो पता चला कि उमेश भारतीय की पतनी करीब एक वर्ष पूर्व मायके चली गई थी, तब से वापस नहीं लौटी। इसे लेकर वह बहुत परेशान रहता था और नशे का आदी हो गया था। संभवतः इसी कारण उसने फंदे से लटककर जान दे दी। उमेश भारतीय नगर निगम में संविदा पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। गुरुवार रात वह कहीं से आया और सीधे अपने कमरे में चला गया। शुक्रवार

सुबह काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो घरवालों ने दरवाजे पर दस्तक दी लेकिन कोई आहट नहीं मिली। स्वजनों ने खिड़की से भीतर झांकने पर फंदे से उसका शव लटकता देखा। यह देखकर वे रोने-बिलखने लगे। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और उमेश द्वारा खुदकुशी किए जाने की बात सुनते ही हतप्रभ रह गए इसकी सूचना करेली पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। कमरे की तलाशी ली गई। मृतक के कपड़े को भी खंगाला गया, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। करेली पुलिस का कहना है कि जांच पड़ताल में जानकारी मिली है कि उमेश की पतनी करीब एक वर्ष पूर्व किसी बात से नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। कई बार उमेश ने उससे घर आने को कहा, लेकिन वह यहां आने को तैयार नहीं थी। जिस कारण वह परेशान रहता था। नशे का भी आदी हो गया था। पूरी संभावना है कि इसी वजह से उसने खुदकुशी की है। हालांकि मामले की जांच की जा रही है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः**- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रिया**:- इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमा**:- उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करे**:- आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः**- छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः**- दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः**- 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

क्षय रोग से मुक्त समाज के लिए जनप्रतिनिधि आगे आएं। चिकित्सा प्रभारी आरके सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। शासन के महाभियान में जनप्रतिनिधियों का सहयोग अपेक्षित है। वगैर भागीदारी के लक्ष्य प्राप्ति सम्भव नहीं। स्वास्थ्य कार्यकर्ता समन्वयन के साथ जुड़कर कार्य करेंगे। उक्त बातें ब्लॉक हरहुआ को क्षय रोग से मुक्त करने अभियान का शुभारंभ तेवर गांव सचिवालय में प्रधान श्रीमती शशि कला सिंह प्रभारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ डॉ0 आर0के0 सिंह ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री की मंशा है। 2025 तक हिंदुस्तान को क्षय रोग से मुक्त करने की है। उसी मंशा को पूर्ण करने के लिए इस अभियान का शुभारंभ हरहुआ में किया गया ताकि आशा, एएनएम ,सफाई कर्मी व आंगनबाड़ी घर घर जाकर खांसी बुखार के रोगियों को जानकारी देंगे और चिन्हित करेंगे। साथ मे डॉ0 राजकुमार, माखन शर्मा शामिल इत्यादि लोग रहे।

भदोही में सामूहिक दुष्कर्म के आरोपित पूर्व विधायक को आगरा जेल से लाया गया न्यायालय में किया पेश

भादेही। गुरुवार की देर शाम पूर्व विधायक को स्थानीय पुलिस आगरा जेल लेने पहुंची। वहां मेडिकल कराने के बाद वज्र वाहन से लेकर रवाना हुई। सुबह आठ बजे ज्ञानपुर

पहुंचने पर उन्हें पुलिस लाइन में रखा गया। पुकार होने पर पुलिस ने उन्हें पेश किया। उनके जिले में प्रवेश करते ही उनके समर्थकों की भीड़ लग गई। ऊंज सीमा से लेकर ज्ञानपुर तक उनसे मिलने के लिए भीड़ लगी रही। उधर उनकी पेशी के लिए कई थानों की पुलिस व पीएसी लगी थी। उन्हें किसी से नहीं मिलने दिया गया। कोर्ट में पेश होने के बाद पुलिस उन्हें वज्र वाहन से आगरा लेकर लौट गई। दिसंबर 20 में दर्ज हुआ था मुकदमा : वाराणसी की एक गायिका ने गोपीगंज कोतवाली में दिसंबर 20 में तत्कालीन ज्ञानपुर के विधायक विजय मिश्र, उसके बेटे विष्णु व नाती ज्योति मिश्र के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि चुनाव में उसे गाने के लिए बुलाया था। उसका कार्यक्रम खत्म होने के बाद तीनों ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने विधायक को सगरा मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया था। तब से वह आगरा जेल व नाती ज्योति मिश्र ज्ञानपुर जिला कारागार में बंद है। शुक्रवार को आरोप पत्र तय किया गया इसलिए चार्ज के लिए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया था।

योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी बनारसी गमछा ओढ़े पहुंचे आयोजन में

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बनारसी गमछे का प्रयोग कई विशेष आयोजन में ओढ़ते हैं। लखनऊ में योगी आदित्यनाथ के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में भी पीएम मोदी बनारसी गमछा ओढ़कर पहुंचे। इससे पूर्व भी विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान वाराणसी में रोड शो के समय बनारस गमछे ओढ़े थे। कोरोना संक्रमण काल में मास्क के बदले बनारसी गमछे को बांधने के लिए पीएम मोदी अपील करते रहे और खुद भी इसका प्रयोग करते थे चार मार्च को वाराणसी में चुनावी प्रचार के समय पीएम नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में ठीक पांच साल बाद बनारसी रंग में नजर आए। उनके गले में जहां बनारस का गमछा नजर आया तो वहीं सर्दी में पहनी जाने वाली खादी की गर्म सदरी के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस सरीखी भगवा रंग की टोपी पहन कर अनोखे लिबास में नजर आए। पीएम नरेन्द्र मोदी बनारसी गमछा, बनारसी टोपी और खादी की सदरी से इस रोड शो में वोकल फार लोकल और बनारसीपने का संदेश भी दिया। वैसे भी पीएम नरेन्द्र मोदी अक्सर ही बनारस

आकर लोकल को ग्लोबल बनाने का संदेश देते रहते हैं। बनारसी गमछा बनारसीपने की निशानी मानी जाती है। पीएम नरेन्द्र मोदी अक्सर बनारस आने पर गले में बनारसी गमछा डाल लेते हैं। इसके पूर्व भी पीएम बनारसी गमछे की तारीफ कर चुके हैं कि इससे मास्क भी बनाया जा सकता है और पसीना होने पर उसे सुखाया भी जा सकता है। इसके साथ ही धूप में सिर पर डालने से लेकर शरीर को पोछने में भी काम आता है। बनारसी रंग ढंग में ढल चुके पीएम नरेन्द्र मोदी अकसर बनारस आते हैं तो वह बनारसी रंग ढंग में ढलने का प्रयास भी खूब करते नजर आते हैं। नौ अप्रैल 2020 को कोरोना संक्रमण के काल में पीएम मोदी ने भाजपा के कार्यकर्ताओं से चर्चा के दौरान भी बनासी गमछे के प्रयोग की बात की थी। पदाधिकारियों से बातचीत के दौरान जब प्रधानमंत्री को पता चला कि भारी संख्या में वे मास्क तैयार करा रहें तो उन्होंने कहा कि मास्क बनवाने में अपनी ऊर्जा न लगाएं। बनारस का गमछा किसी मास्क से कम नहीं। उत्तर प्रदेश में लोग तौलिया और गमछा कंधे पर डालकर चलते हैं। पीएम ने कहा थाा कि गमछा और तौलिया किसी मास्क से कम नहीं। लोगों की आदत डलवाएं कि वह गमछा-तौलिया मुंह पर लगाकर चलें। मास्क की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता डाक्टर, सफाईकर्मियों, पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को है।

युवा अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन राष्ट्र हित में पूरा करें कन्हैया लाल पथिक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। भारत के संस्कृति व सभ्यता की रक्षा का दायित्व युवाओ के कन्धे पर है। आज समाज में दिन ब दिन आ रहे उतार चढ़ाव और ज्वलन्त मुद्दों से

विकास की गति धीमी हो गई है, इन बाधाओं को दूरकर नये भारत की रचना में निर्मल भारत व स्वच्छता अभियान के मूल्यों को युवा अपने नैतिक दायित्वों से निर्वहन पुरे जिम्मेदारी के साथ पूरा करें।आज देश को एक जिम्मेदार युवाओं की जरूरत है। उक्त बातें जिला ग्राम्य विकास संस्थान परमानंदपुर में नेहरू युवा केंद्र संगठन वाराणसी द्वारा सात दिवसीय जिला स्तरीय स्पीयर हेड प्रशिक्षण के तीसरे दिवस पर पूर्व डीडीओ सुल्तानपुर डॉ0 डी0 आर0 विश्वकर्मा ने अपने सम्बोधन में व्यक्त की। सत्र का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर सुरेश पांडेय व डीपीओ नमामि गंगे श्वर्या मिश्रा ने नमामि गंगे में आस्था,जीवन व पवित्रता के प्रति देश मे विश्वास जगाने की जिम्मेदारी से की। अन्य वक्ताओं में रविन्द्र सहाय कैरियर गुरु द्वारा युवाओं को अपने कैरियर के प्रति चिंता के साथ माँ गंगा के निर्मलता पर जोर देते हुए संकल्प दिलाया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 एस0 के0 पांडेय ने जलजनित बीमारियों से कैसे बचाव समाज के लोंगो को किया जाना है के साथ दवाओं के उपयोग पर जानकारी दी। जिला समन्वयक यूनिसेफ डॉ0 शाहिद ने देश मे टीकाकरण के महत्व व जीवन रक्षा के तकनीकी पक्ष की जानकारी दी।राज्य प्रशिक्षक कन्हैया लाल पथिक ने संवाद कौशल, रैली सहित कई जनहित आयामों की तकनीकी जानकारी दी। अन्य वक्ताओं में प्रमुख रूप से कमल कुमार श्रीवास्तव, सुरेश पाण्डेय,अमरनाथ द्विवेदी,सुरेश तिवारी ने विचार व्यक्त किया। प्रशिक्षण में वाराणसी जनपद के 50युवक-युवतियां शामिल रहे। प्रशिक्षण में युवाओ को विभिन्न गतिविधियों और दायित्व की समझ की जानकारी दी गई। गंगा मेरी मां, आस्था,जीवन धारा कल्याणदायिनी पक्षों को लेकर युवा प्रतिभागियों ने राष्ट्रहित में कई सवाल उठाए जिसका समयोचित समाधान जिला प्रशिक्षण अधिकारी डी0एन0 द्विवेदी ने किया।

पहले दिन इंटरमीडिएट की कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों पालियों की परीक्षा हुई सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकास खण्ड अंतर्गत सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रथम व द्वितीय पाली में परीक्षाएं सम्पन्न हुई। परीक्षार्थियों की थर्मल स्कैनिंग, सेनिटाइजर सहित मास्क के बाद ही जाँच के बाद प्रवेश दिया गया। अंदर केंद्राध्यक्ष,अतिरिक्त केंद्राध्यक्ष,स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती के बाद बाहर पुलिस की तैनाती रही। हर परीक्षा केंद्रों पर दहाई अंकों में परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजेश्वरी बालिका इंटर कालेज बैजलपट्टी हरहुआ में प्रथम पाली में 51 व द्वितीय पाली में30 बच्चे, अमर शहीद इंटर कालेज आयर प्रथम पाली में 7 व दूसरे में 19, वीरापट्टी इंटर कालेज में प्रथम में36 व द्वितीय में48 बच्चे, विकास इंटर मीडिएट प्रथम 17 द्वितीय पाली में35 बच्चे ,एम वी ए एच कालेज अटेसुआ में प्रथम में41 व द्वितीय में 20 बच्चे अनुपस्थित

रहे। श्री युगल बिहारी इंटर कालेज रामेश्वर के प्रथम पाली में 15 व द्वितीय पाली में23 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर लगने वाली भीड़ जहां नहीं दिखी वही आस -पास के स्टेशनरी व फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहीं

अपूर्ण आवासों ,पंचायत भवन,शौचालय व मनरेगा कायी को 31 मार्च तक पूर्ण करें

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकास खंड सभागार में सभी पंचायत सचिवो, तकनीकी सहायकों तथा रोजगार सेवको की बैठक लेते हुए बीडीओ हरहुआ धर्मेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने आवास ,पंचायत भवन,शौचालय के निर्माण कायी में शिथिलता बरतने वाले सेक्रेटरियों को चेतावनी देते हुए जम कर फटकार लगाई और कार्य को 31 मार्च तक पूर्ण करने का निर्देश दिया । बीडीओ हरहुआ ने सभी पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि गोवंश आश्रय केन्द्रों में पशुओं के चारा ,भूसा और पानी की व्यवस्था का नियमित रूप से अनुश्रवण करते रहें। बीडीओ हरहुआ ने सभी सचिवो को कायाकल्प अंतर्गत सभी पैरामीटर पर ग्रामपंचायत मे स्थित स्कूलों,आंगनबाड़ी केंद्रो तथा एएनएम सेंटर को अनिवार्य रूप से संतृप्त करने का निर्देश दिया। बैठक में एडीओ सहकारिता अवधेश

सिंह,एडीओ पंचायत गुलाब सिंह ,मिथिलेश श्रीवास्तव, कुमार अवनीश, संजय गुप्ता ,चंचल रेड्डी, सुनिधि, चंद्रभान समेत सभी पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक तथा रोजगार सेवक इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

बलिया विधायक दयाशंकर सिंह को योगी मंत्रिमंडल में मिला राज्य मंत्री का पद:बागी धरती पर जश्न का माहौल

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया।जिले के बलिया शहर से विधानसभा के इस बार दयाशंकर सिंह की जीत के बाद से ही उनके राज्यमंत्री बनने की चर्चा रही है। जिले में भाजपा के लिए बड़ा चेहरा होने की वजह से इस बार दयाशंकर सिंह को मंत्री बनाया गया है। उनको

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाए जाने की बाबत शासन स्तर से भी उनको पूर्व में ही फोन कर सूचित कर दिया गया था।सदर विधायक को मंत्री बनाए जाने से इस बागी धरती पर शुक्रवार को जशन का माहौल बना रहा।शहर से लगायत ग्रामीण अंचल मे भी लोगो ने उत्साहित होकर सुबह से ही टीवी से चिपके रहे योगी के मंत्रीमंडल की खबरो को देखने व सुनने के लिए आतुर नजर आए। विधानसभा चुनाव-2022 में बलिया सदर विधानसभा-361 से विजयी हुए भाजपा उम्मीदवार दयाशंकर सिंह पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। उन्हें मंत्री की सीटिंग सीट पर मौका देकर पार्टी ने जो फैसला किया, वह सही साबित हुआ। दयाशंकर ने टीडी कालेज बलिया से इंटरमीडिएट करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए चले गए। वहां वे छात्र राजनीति में सक्रिय हो गए। 1996-97 के छात्रसंघ चुनाव में महामंत्री चुने गए। 1997-98 में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी से जुड़ गए। पार्टी में युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री के तौर पर नई पारी शुरू की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा, प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा, प्रदेश मंत्री भाजपा से प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए। 51 वर्षीय दयाशंकर ने एमए, एमएड किया है। इनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि व विरासत ननिहाल से जुड़ी है। इनके मामा मैनेजर सिंह बैरिया विधानसभा से कई बार विधायक हुए। दयाशंकर वर्ष 2007 में सदर विधानसभा से ही भाजपा प्रत्याशी के रूप में लड़े, परंतु सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने इन पर विश्वास करते हुए संगठन में अहम जिम्मेदारी दी। 2017 में बलिया नगर से चुनाव जीते आनंद स्वरूप शुक्ला प्रदेश सरकार में मंत्री बने थे। 2022 में उनके स्थान पर दयाशंकर को मैदान में उतारा गया, इस तरह मंत्रिमंडल में उन्हें जगह मिलने से बलिया का फिर से दबदबा कायम रहेगा।

बांस के पुल के सहारे आधा दर्जन गांव के लोगों का आवागमन

अहरौला (आजमगढ़)। आजादी के बाद आज भी तमसा नदी पर अरुसा गांव के सामने पक्का पुल का निर्माण नहीं हो सका। इससे आधा दर्जन गांव के लोग बांस के बने अस्थाई पुल से आवागमन करने को विवश मुबारकपुर गांव के लोगों को दुर्वासा धाम या फिर फूलपुर रेलवे स्टेशन, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और तहसील फूलपुर जाने के लिए रास्ता आसान हो जाता। अहरौला : अरुसा गांव के हरीलाल गोंड की हर साल की

पहल लोगों की राह का आसान कर देती है। वह हर साल बांस के पुल का निर्माण लोगों के सहयोग करते हैं। यह हर पल खतरे को दावत देता है। इसको लेकर प्रशासन व जनप्रतिनिधि तनिक गंभीर नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि लोगों ने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से पक्का पुल बनाने की मांग नहीं की, लेकिन आश्वासन के सिवाय आज तक कुछ नहीं मिला। तमसा नदी किनारे बसे यह गांव अपने में इतिहास को समेटे हुए हैं। बाबा दुखहरण की यह तपोस्थली आज भी विकास के लिए किसी मसीहा के इंतजार में है। गर्मी के दिनों में बांस के पुल के सहारे लोग आते-जाते हैं, लेकिन नदी के उफान के समय लोगों को तहसील मुख्यालय जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। नदी पार ग्राम भंवरूपुर, काशीपुर, कोदई का पूरा, पूरा चित्तू, शमशाबाद, काशीपुर, बरसातीगंज, बिरहड़ के लोग बांस के पुल से आते-जाते हैं। पक्का पुल बन जाने से नदी इस पार बाकरकोल, युधिष्ठिर पट्टी, मड़ना, हैं। पहले गांव के ही फालू गोंड और मिश्र बाबा मिलकर इस पुल का निर्माण करते थे। इन दोनों के निधन के बाद हरी लाल ने इसका बीड़ा उठाया। इसके बन जाने से राहगीर, साइकिल व बाइक से लोग आजमगढ़ या लखनऊ जाने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ते हैं। यहां से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की दूरी दो और रेलवे स्टेशन फूलपुर की दूरी 12 किलोमीटर है। शत्रुघन सिंह, रणजीत सिंह, रमेश गोंड, सत्यनारायण सिंह, मलखान सिंह, शांति सिंह, कैलाश सिंह, स्वार्थ राजभर, संतोष मौर्य, संजय मौर्य आदि बताते हैं कि हम लोगों को तहसील फूलपुर, मिर्च मंडी या फूलपुर रेलवे स्टेशन जाने के लिए बांस के पुल के सहारे जिदगी दांव पर रखकर पार आते हैं।

वाराणसी में पहले दिन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की 5863 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

वाराणसी । यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के पहले दिन ही 5863 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इसमें हाईस्कूल के 3646 व इंटर के 2217 परीक्षार्थी शामिल है। हाईस्कूल व इंटर में जनपद कुल 93997 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इसमें हाईस्कूल के 46489 व इंटरमीडिएट 47508 परीक्षार्थी शामिल है। वहीं पहले दिन प्रथम प्रथम पाली में 92.215 फीसद परीक्षार्थी की परीक्षा में उपस्थिति रही। जबकि द्वितीय पाली में इंटर हिंदी व सामान्य हिंदी में 131 केंद्रों पर 43192 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें से परीक्षा में 40975 परीक्षार्थी शामिल हुए। 2217 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इस प्रकार द्वितीय पाली में 94.86 फीसद परीक्षार्थियों की उपस्थित रही। क्वींस कालेज झलक रहा था। उसमें भी पहली बार बोर्ड परीक्षा देने वाले हाईस्कूल के परीक्षार्थी अधिक चिंतित थे। हालांकि परीक्षा देकर जब वह बाहर निकले तो उनके चेहरे पर खुशी के भाव झलक रहे थे। पहले दिन प्रथम पाली में 10वीं व द्वितीय पाली में 12वीं की हिंदी की परीक्षा थी। हाईस्कूल के परीक्षार्थियों ने बताया कि हिंदी का पेपर काफी सरल आया

पाली में हाईस्कूल की हिंदी व प्रारंभिक हिंदी 46441 पंजीकृत में से 42796 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल रहे। उप नियंत्रक डा. गंगाधर राय ने बताया कि हाईस्कूल में हिंदी 3645 परीक्षार्थी परीक्षा में गैरहाजिर रहे। प्रथम पाली में ही इंटर सैन्य विज्ञान की परीक्षा में पंजीकृत महज एक परीक्षार्थी वह भी अनुपस्थित रहा। इस प्रकार स्थित संकलन केंद्र के प्रभारी धर्मेंद्र कुमार यादव के मुताबिक दोनों पालियों में औसत 93.45 फीसद परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 6.54 फीसद परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी है। यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटर के तमाम परीक्षार्थी परीक्षा को लेकर तनाव में थे। परीक्षा हाल में प्रवेश करते समय ज्यादातर परीक्षार्थियों के चेहरे पर तनाव साफ था। सभी प्रशन पढ़े हुए आए थे। एक-दो प्रशन कुछ कठिन लगे लेकिन हिंदी में अच्छा अंक मिलने की संभावना है। वहीं इंटर के परीक्षार्थियों की मिली जुली प्रतिक्रिया रही। कुछ परीक्षार्थियों को जहां पेपर आसान लगा। वहीं दूसरी ओर इंटर के कई परीक्षाथियों को हिंदी का अलंकार व छंद ने उलझाया।

रात में लिया गया 508 ग्रामीणों के ब्लड का नमूना

मुहम्मदाबाद (गाजीपुर) । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तहत फाइलेरिया की रोकथाम के लिए नाइट सर्वे के लिए राज्य स्तर से तिवारीपुर गांव का चयन किया गया है। इस गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तीन रात्रि में कुल 508 व्यक्तियों का ब्लड सैंपल लेकर उच्च लैब को जांच के लिए भेजा गया। जांच से पूर्व ग्रामीणों के साथ स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों ने अधिकारियों-कर्मियों के साथ एक बैठक कर उन्हें पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया था। बैठक में अधीक्षक डा. आशीष राय ने बताया कि यह ब्लड सैंपलिग प्रक्रिया क्यों आवश्यक है और नाइट ब्लड सर्वे क्यों जरूरी है। यह किस लिए होता है व इससे जनित रोग का कारक कौन है और किसे प्रभावित करता है। बताया कि रात्रि काल में ब्लड का सर्वे फाइलेरिया की जांच के लिए किया जाता है, क्योंकि फाइलेरिया का परजीवी मानव शरीर की रक्त में उपस्थित होकर बढ़ता है। यह मच्छरों के काटने पर उत्पन्न होने वाला रोग है। रात्रि में इसकी जांच का कारण यह है कि दिन के समय में यह लिक में रहता है और रात्रि के मध्य यह रक्त वाहिकाओं में आता है, जिस कारण से इनके उपस्थिति की जांच रात में ही संभव है। बताया कि कुलेक्श मच्छर के काटने से फाइलेरिया नामक बीमारी होती है, इसमें मरीज का अंग फूलने लगता है। जैसे पुरुषों व महिलाओं में हाथ पैर का फूलना, महिलाओं में स्तनों का छोटा-बड़ा होना व पुरुषों में हाइड्रोसील का बढ़ना पाया गया। इसकी रोकथाम के लिए व्यक्ति को मच्छर उत्पन्न होने के स्थान को समाप्त कर हमेशा मछरदानी का उपयोग करना अधिक उपयोगी है। ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक संजीव कुमार, एलटी चंदन राम, एएनएन हेमवंता पांडेय, बीएच डब्लूयू आदर्श कुमार व वार्ड ब्वाय बबलू यादव शामिल रहे।

उत्पादन व प्रेषण के शिखर पर एनसीएल

अनपरा (सोनभद्र) । कोल इंडिया लिमिटेड की सिगरौली स्थित प्रमुख सहायक कंपनी नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने आठ दिन पूर्व बुधवार को अपने वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 119 मिलियन टन को हासिल कर लिया। कंपनी ने 6.50 राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दिन-रात खदानों में डटे एनसीएल के कोयला योद्धाओं की अटूट प्रतिबद्धता और ठोस प्रयासों को दिया। सीएमडी ने निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड

फीसदी वार्षिक वृद्धि के साथ 119.05 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया। यह कंपनी की स्थापना से अब तक का सबसे अधिक कोयला उत्पादन है। कंपनी ने इस अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में 7.23 मिलियन टन अधिक कोयले का उत्पादन किया है। इस प्रदर्शन पर सीएमडी भोला सिंह, निदेशक डा. अनिद्य सिन्हा, आरएन दुबे, निदेशक एसएस सिन्हा, मुख्य सतर्कता अधिकारी एके श्रीवास्तव ने टीम एनसीएल को बधाई दी। इस उपलब्धि का श्रेय का आभार व्यक्त किया। सभी हितधारकों का आभार व्यक्त किया गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15.6 फीसदी की शानदार वृद्धि दर्ज करते हुए एनसीएल ने 126.50 मिलियन टन के वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले उपभोक्ताओं को बुधवार तक 122.79 मिलियन टन कोयला प्रेषित किया है। एनसीएल मध्यप्रदेश के सिगरौली उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में 10 उच्च मशीनीकृत खुली खदानों से कोयला निकालती है। गौरतलब है कि एनसीएल को वर्ष 2023-24 तक 130 मिलियन टन कोयला उत्पादन करना है।

एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार रिश्वत के साथ लेखपाल को दबोचा

मीरजापुर । एंटी करप्शन वाराणसी की टीम ने सदर तहसील में तैनात लेखपाल रामा गिरी निवासी भदोही को गुरुवार की शाम अधिवक्ता से पांच हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। शहर कोतवाली के सदर तहसील के पास स्थित एक मिठाई की दुकान से पकड़े गए लेखपाल को कोतवाली ले गई। वहीं आरोपित के विरुद्ध भ्रष्टाचार समेत अन्य आरोप में मुकदमा दर्ज कराया। नगर के कजहरवां पोखरा मोहल्ला निवासी गंगाराम यादव पेशे से अधिवक्ता है। उनकी कुछ भूमि है जिसके कागजात को दुरूस्त कराने के लिए उन्होंने सदर तहसील में प्रार्थना पत्र दिया था। उसको दुरूस्त करने के लिए सदर तहसील में तैनात लेखपाल रामा गिरी निवासी भदोही शहर मूल रूप से राजातालाब वाराणसी निवासी ने अधिवक्ता से दस हजार रुपये रिश्वत देने की मांग की। यह सुन अधिवक्ता ने लेखपाल कुछ रुपये देकर कागजात दुरूस्त करने की बात कही, लेकिन वह नहीं माने। वह दस हजार रुपये देने के बाद ही उनका कागजात दुरूस्त करने की बात बोलते रहे। लेखपाल की जिद देखकर अधिवक्ता ने उसे जेल भेजवाने की ठान ली। उन्होंने एंटी करप्शन वाराणसी के एसपी से इसकी शिकायत की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एंटी करप्शन एसपी ने आरोपित को रंगे हाथ पकड़ने के लिए निरीक्षक विनोद कुमार यादव व निरीक्षक संध्या कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम गुरुवार को मीरजापुर पहुंची। अधिवक्ता ने लेखपाल को रुपये देने के लिए सदर तहसील के एक मिठाई की दुकान में बुलाया। जैसे ही लेखपाल दुकान में पहुंचा तो अधिवक्ता ने उसे पांच हजार रुपये दिए। रुपये हाथ में आने के बाद आरोपित उसे गिनने लगा इसी बीच टीम ने लेखपाल को दबोच लिया। उसका हाथ धुलवाया तो उसके हाथ से नोटों पर लगाए गए कलर छूटने लगे। इसके बाद टीम आरोपित को गिरफ्तार कर शहर कोतवाली ले गई। वहां निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने आरोपित के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण के तहह उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। निरीक्षक विनोद कुमार यादव ने बताया कि आरोपित लेखपाल नगर के रमईपटटी इलाके में किराए पर रहता था।

महिला की अूझहाल में मौत, दहेज के लिए मारने का आरोप

मीरजापुर । मड़िहान थाना क्षेत्र के रामपुर 38 गांव निवासी पूनम (22) पतनी संदीप की अबूझहाल में बुधवार की रात मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके वालों ने ससुरालियों पर दहेज के लिए विवाहिता की गला दबाने के बाद उसे जहर देखकर मरने का आरोप लगाया है। राजगढ़ के ददरा गांव निवासी मनोज कुमार ने अपनी बेटी पूनम की शादी करीब दो साल से पहले मड़िहान के रामपुर 38 दूबेपुर गांव निवासी संदीप कुमार के साथ की थी। आरोप में शादी में अपनी क्षमता के अनुसार उन्होंने दान दहेज दिया था। शादी के एक साल बाद उनका दामाद व ससुर उनसे 25 हजार रुपये नकदी की और मांग करने लगे। रुपये नहीं देने पर उसकी बेटी के साथ आए दिन मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद वह फोन कर अक्सर बताने लगी। बुधवार को इसी बात को लेकर उनकी बेटी को सुसुरालियों ने मारा पीटा, इसके बाद उसका गला दबा दिया। जब उसकी मौत नहीं हुई तो उसे जहर देकर मार डाला। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन कर रही है।

मां विध्यवासिनी धाम के गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबंधित

मीरजापुर । चैत्र नवरात्र में मां विध्यवासिनी धाम के गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। मंदिर के अंदर कौन बैठेगा, इसकी सूची तीन दिन के भीतर पंडा समाज से प्राप्त करें। आम श्रद्धालुओं से बढ़कर हमारे लिए अन्य कोई नहीं होना चाहिए। नवरात्र मेला श्रद्धा भाव व भक्त का प्रतीक है। इस बार नवरात्र मेले में बड़ी संख्या में भक्त आने की संभावना है, इसके चलते नवरात्र मेले की सभी तैयारियां व व्यवस्थाएं ससमय पूरा करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। आयुक्त योगेश्वरराम मिश्रा ने गुरुवार को विध्याचल स्थित प्रशासनिक भवन में नवरात्र मेला तैयारियों की बिदुवार समीक्षा के दौरान कहा। इसके पूर्व मेला क्षेत्र के पुरानी वीआईपी एवं न्यू वीआईवी मार्ग, कोतवाली गली, चामुंडा गली, पक्काघाट मार्ग, मंदिर परिक्रमा पथ आदि का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। मां विध्यवासिनी के धाम विध्याचल में आगामी 01/02 अप्रैल 2022 की मध्य रात्रि से 09 दिवसीय चैत्र नवरात्र मेला आरंभ हो रहा है। मां विध्यवासिनी देवी देश के बहुत बड़े जनसंख्या की कुल देवी है। हर शुभ कार्य आरंभ के पहले व बाद यहां लोग मत्था टेकने अवश्य आते है। राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी को निर्देश दिया कि निर्माणाधीन मार्गों को दुरुस्त कराएं। विध्याचल मेला क्षेत्र में चल रहे सभी सरकारी कार्यों के

अलावा प्राइवेट लोगों के द्वारा निर्माणाधीन निर्माण कार्य नवरात्र तक तत्काल प्रभाव से बंद करा दें। जल निगम व पीडब्लूडी इत्यादि कार्यदाई संस्थाओं को 48 घंटे के भीतर सड़कों पर पड़े मलबा व निर्माण सामग्री को हटाकर अन्यत्र रखा जाए। सभी मुख्य मार्ग से निकलने वाली सभी गलियों गड्ढा मुक्त करते हुए यातायात के लिए सुलभ बनाएं। सफाई अभियान तत्काल प्रारंभ किया जाए। सभी बैरिकेडिग का कार्य नदी से सड़कों व गलियों तक नवरात्र शुरू होने के 24 घंटे पूर्व सुनिश्चित कराएं। विद्युत के नीचे तक झुके तार ठीक कराएं। पेयजल आपूर्ति संग महिलाओं के वस्त्र बदलने के स्थान गंगा घाटों पर समय रहते पूर्ण करें। महिलाओं के मूलभूत सुविधाओं का ख्याल रखे। घाटों पर समुचित प्रकाश करें। गलियों में प्लास्टिक भी लगे तो एक ही रंग में। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह को निर्देश दिया कि गलियों में व्याप्त सभी अतिक्रमण जेसीवी से खाली कराएं।

जेई के ऊपर कुत्ते से हमला कराने वाला एक आरोपित गिरफ्तार दूसरा फरार

मीरजापुर । देहात कोतवाली पुलिस ने बिजली विभाग के जेई विनय कुमार बिद के साथ मारपीट करने के बाद कुत्ते से हमला कराने वाले एक आरोपित मनीष जायसवाल निवासी मुहंकुचवां पहाड़ी को गुरुवार के दिन मुहंकुचवां गांव से गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसका भाई आशीष जायसवाल मुंबई फरार हो गया। पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ करने के बाद उसे जेल भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि विद्युत विभाग के जेई विनय कुमार बिद बुधवार को देहात कोतवाली के मुहंकुचवां पहाड़ी में चेकिग करने गए थे। मनीष जायसवाल व आशीष जायसवाल पुत्रगण राजकुमार जायसवाल के घर पहुंचे तो ये लोग नाराज हो गए। दोनों भाइयों ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर जेई के साथ मारपीट की। यही नहीं घर में अंदर मीटर चेकिग के दौरान इनके ऊपर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते ने जेई को काटकर घायल कर दिया था। शोरगुल होने पर आसपास के लोग पहुंचे और किसी तरह जेई को कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया। घटना के बाद जेई ने कोतवाली पहुंचकर मनीष व आशीष जासवाल के विरुद्ध नामजद व कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपितों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बांधा पहुंचाने, कार्य के दौरान अधिकारी पर जानलेवा हमला करने आदि आरोप में मुकदमा दर्ज कर जेई को इजाज के लिए मंडलीय चिकित्सालय भेजा। कोतवाल विपिन सिंह आरोपित की तलाश में लगे हुए थे। गुरुवार को सूचना मिनी कि मनीष कही भागने की फिराक में है। पुलिस तत्काल उसके घर में दबिश देने जा रही थी इसी दौरान रास्ते में उसे आते देख घेराबंदी करते हुए पकड़ लिया। जबकि उसका भाई आशीष मुंबई फरार हो गया।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 38259 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

सोनभद्र। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं गुरुवार से 77 केंद्रों पर शुरू हो गईं। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। नकलविहीन परीक्षा के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद प्रबंध किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे से केंद्रों की निगरानी होती रही। पहले दिन दोनों कक्षाओं की हिदी की परीक्षा रही। हाईस्कूल में 23825 में से 2175 व इंटर में 17675 में से 1066 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इस तरह दोनों पालियों में 3245 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी। जिलाधिकारी टीके शिबू,पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह समेत अन्य अफसरों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और नकलविहीन परीक्षा का निर्देश केंद्र व्यवस्थापकों को दी। परीक्षा के दौरान कोविड गाइन लाइन का पालन किया गया। गुरुवार को सुबह 8 बजे से सवा 11 बजे तक हाईस्कूल की हिदी की परीक्षा हुई। इसमें 23825 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 21650 परीक्षार्थी उपस्थित हुए और 2175 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इसी तरह इंटरमीडिएट की परीक्षा दूसरी पाली में दोपहर बाद 2 बजे से सवा 5 बजे तक हुई। हिदी की इस परीक्षा में इंटर में 17675 नामांकित परीक्षार्थियों में से 16609 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 1066 ने परीक्षा छोड़ दी। डीएम व एसपी ने बोर्ड की परीक्षाओं को कैमरों के जरिए परीक्षा केंद्रों की लाइव मानीटरिग की। सकुशल परीक्षा संपन्न कराने के लिए बनाए गए 77 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 4 जोनल मजिस्ट्रेट व 10 सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने के ष्टिगत जय ज्योति इंटर कालेज चुर्क, जनता इंटर कालेज परासी पांडेय सहित विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया। संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। यहां से सीसीटीवी किया। उधर जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने जनता इंटर कालेज परासी, सोनांचल इंटर कालेज घोरावल, भगवास सरदार पटेल इंटर कालेज भगवास, रामकेश सिंह इंटर कालेज पुरना व ईश्वर प्रसाद इंटर कालेज घुआस का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कहीं भी कोई नकलची या आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है।

गर्मी बढ़ते ही मंडलीय चिकित्सालय में बढ़े डायरिया के मरीज............

मीरजापुर। गर्मी का मौसम बढ़ते ही लोगों के डायरिया की चपेट में आने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इसके चलते दस से 15 मरीज प्रतिदिन चिकित्सालय में मरीज भर्ती होने आ रहे हैं। आए दिन मरीजों की संख्या बढ़ने से चिकित्सालय के बेड फुल होते जा रहे हैं। ठंड का मौसम खत्म हो चुका और अब गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया है। गर्मी में होने वाली बीमारियों से सबसे अधिक डायरिया ऐसी बीमारी हैं जिसमें लोग अपने खान पान पर ध्यान नहीं देते हैं तो इसकी चपेट में आ जाते है। कुछ ऐसा ही इस समय हो रहा है। लोग आज भी ठंड के मौसम की तरह की अपना खानपान का रूटीन बनाए हुए है। इससे उनका डायजेसन ठीक तरीके से नहीं हो रहा है और लोग डायरिया की चपेट में आ रहे है। इसमें सबसे अधिक पुरुष वर्ग शामिल है। पिछले 24 दिन की बात की जाए तो प्रतिदिन पांच से लेकर 15 मरीज तक डायरिया की चपेट में आ रहे है। इस तरह अबतक करीब डेढ़ सौ लोग इस जिले में डायरिया की चपेट में आ चुके है। इनको मंडलीय

चिकित्सालय में भर्ती किया जा रहा है। सबसे अधिक ग्रामीण इलाके के मरीज शामिल है। गुरुवार को नगर के तरकापुर, भटवा की पोखरी, व देहात कोतवाली के कतरन के साथ ही लालगंज, छानबे आदि इलाके के मरीज डायरिया की चपेट में आने से भर्ती हुए। बासी भोजन नहीं खाए। हमेशा ताजा भोजन करें। दूषित जल नहीं पीए। अधिक देर तक जागे नहीं। तला भूना कम खाए। चिकनी वस्तु का सेवन कम करें। पुरुष या बच्चे को डायरिया हो जाता हैं तो ओआरएस का घोल पिलाला शुरू कर दे और उसे तत्काल अस्पताल ले जाए। छह महीने से छोटा बच्चा है तो उसे मां का दूध पिलाते रहे।

भगवान के बाल रुपी चमत्कारिक कृतियों से लेकर शादी का किया सुंदर वर्णन

मीरजापुर ।लालडिग्गी स्थित कुमार उत्सव भवन में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान के बाल रुपी चमत्कारिक कृतियों से लेकर उनकी देवी रुक्मिणी से शादी तक की कथा का सुंदर वर्णन कथा व्यास डॉ रामलाल त्रिपाठी ने किया। कहा कि पूतना भगवान के बावन अवतार के समय ही उनके स्वरुप पर मोहित हो गई थी, तब वो राजा बलि की कन्या रतन्माला थी। उसी समय उसके मन में वामन भगवान को स्तनपान कराने का भाव आ गया था। कंस का अर्थ कासतीति था जिसका अर्थ कसाई होता है। उसने अपने समूह के अनेक राक्षसों पूतना, षटकासुर, अघासुर, बकासुर को भगवान का वध करने के लिए भेजा, लेकिन भगवान ने उन सभी का वैसे ही वध किया जैसे कोई बालक गुब्बारे फोड़ता है। डा. भवभूति मिश्र, अमरेश मिश्रा, गोवर्धन त्रिपाठी, शिव कुमार मिश्र, तुंगनाथ द्विवेदी, अवधेश तिवारी, राजकुमार जायसवाल सहित अपना शुक्ला परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

अबूझ हाल में महिला झुलसी, देवर व चार लोगों पर लगाया आरोप

पटेहरा (मीरजापुर) । लालगंज कोतवाली अंतर्गत राहकला के समसदिया गांव में गुरुवार की भोर में महिला रमवंती देवी 50 आग से बुरी तरह झुलस गई। उसका इलाज ट्रामा सेंटर वाराणसी में चल रहा है। पीड़ित महिला के आरोप है कि देवर परमहंस और उसके साले मिलकर उनके ऊपर डीजल छिड़ककर आग के हवाले कर भाग गए। प्रतिपक्षी परमहंस के आरोप है कि भाई दीनानाथ और भाभी रमववंती मिलकर उनकी पुत्री को अगवा कराकर चार दिन पूर्व कोर्ट मैरिज करवा दिए थे। जब उन्हें पता चला तो डायल 112 और चौकी सन्तनगर से गुहार लगाई । जांच में अपने पति दीनानाथ को फंसता देख रमवंती स्वयं आग के हवाले कर मुझे फंसा रही है। मामला चाहे जो हो कितु स्वजन पीडित महिला को लेकर पीएचसी पटेहरा पहुंचे जहा प्राथमिक उपचार कर मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से भी बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया है । खबर लिखे जाने तक महिला जीवित है उसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। प्रधानप्रतिनिधि प्रकाश गिरी ने भी लड़की को अगवा कर कोर्ट मैरिज की पुष्टि की है। मामले के बाबत चौकी प्रभारी संतनगर दया शंकर ओझा ने अनभिज्ञता जाहिर की है।

जेवरात की दुकान से आभूषण लेकर भागे चोर

मीरजापुर । कटरा कोतवाली के इमरती रोड स्थित एक आभूषण की दुकान पर जेवरात देखने आए दो युवकों में से एक युवक ने एक आभूषण का डिब्बा चुराकर फरार हो गया। इसकी जानकारी होने पर दुकानदार ने घटना की शिकायत कोतवाली में की । पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इमरती रोड मोहल्ला अर्पणा जैन ने अपने मकान में आदिनाथ आभूषण के नाम से जेवरात की दुकान खोला हुआ है। दुकानदार ने बताया कि गुरुवार की दोपहर बाइक सवार तीन युवक उनकी दुकान पर आए । इसमें एक युवक बाहर ही बाइक पर बैठा रहा जबकि दो युवक दुकान में आभूषण देखने के बहाने आए। दोनों युवकों ने उनसे आभूषण दिखाने को कहा तो उन्होंने कई आभूषण निकालकर उनको दिखाने लगे। एक युवक वे आभूषण दिखा रहे थे कि इसी बीच कुर्सी पर बैठा दूसरा युवक उनका ध्यान भटकवाने के लिए दूसरी ओर का आभूषण दिखाने को कहा। जब वह दूसरे युवक को आभूषण दिखा रहे थे इसी बीच पहले युवक ने मौका पाकर आभूषण से भरे डिब्बे को उठाकर अपनी पीछे की जेब में रख लिया और दोनों फरार हो गए। उनके जाने के बाद जेवरात का डिब्बा गायब देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने अपने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक किया तो उसमें युवकों की हरकत कैद हो गई। दुकानदार ने बताया कि युवकों के पास कुछ ऐसी वस्तु थी जिससे उनका सीसीटीवी कैमरा बार बार बंद हो जा रहा था। पीड़ित ने घटना की शिकायत कोतवाली में की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

खेत तालाब निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

हलिया (मीरजापुर) ।विकास खंड के ग्राम पंचायत चंद्रगढ़ में जलसंचयन के लिए राम रक्षा के खेत में कराए जा रहे खेत तालाब के निर्माण कार्य का जिला अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा राजेश कुमार ने निरीक्षण किया। साथ ही निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से पारिश्रमिक आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर हाजिरी रजिस्टर को भी चेक किया। उन्होंने ग्राम सचिव से खेत तालाब के अनुमानित लागत आदि के संबंध में पूछा तो ग्राम सचिव आलोक राव ने बंधी की अनुमानित लागत 4 लाख 99 हजार रुपया बताया। कहा कि खेत तालाब के होने से अलग बगल के किसान अपने खेतों की सिचाई आसानी से कर सकेंगे और पशुओं को भी पेयजल की सुविधा होगी। ग्राम सचिव संग टीए अमर शंकर को गांव के श्रमिकों को मनरेगा योजना के तहत अधिक से अधिक रोजगार मुहैया कराने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान रोजगार सेवक अनिल तिवारी आदि रहे।

उत्पीड़न के खिलाफ अभियंता मुखर

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना के मुख्य द्वार के समक्ष गुरुवार को अभियंता संघ व जेई संगठन के पदाधिकारियों ने ऊर्जा निगम के शीर्ष प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध सभा का आयोजन किया। वक्ताओं ने कहा कि शीर्ष प्रबंधन निगम में व्याप्त अनियमितता को दूर करने की सत्यम , अनूप कुमार वर्मा, सचिन कननैजिया, रमाकांत तिवारी समेत सैकड़ों अभियंता उपस्थित रहे। उधर ओबरा में अभियंताओं ने सभा किया। यहां सभा की शुरुआत इं. बृजेश यादव ने स्वागत गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष इं. जीबी

बजाय अभियंताओं का उत्पीड़न करने का काम कर रहा है। प्रबंधन निगम में भय का वातावरण बनाकर माहौल को दूषित कर रहा है। संगठन अब प्रबंधन के भय व झांसे में आने वाला नहीं है। दोनों संगठन संयुक्त रूप से आरपार की लड़ाई लडेंगे इस दौरान सभा में वक्ताओं ने कहा कि जब तक सार्थक निणय्य निकल कर सामने नही आता,तब तक आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर अभियंता संघ के अभिषेक बरनवाल, हेमंत कुमार यादव, गजेंद्र सिंह, आनंद शंकर मिश्रा, अभिषेक सिंह, शरद सिंह तथा जेई संगठन के सचिनराज, पटेल ने कहा कि ईआरपी खरीद में एक बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 511.52 करोड़ रुपये ईआरपी लागू करने के प्रारंभिक आदेश है और पूरी प्रणाली लागू होने तक यह लागत लगभग 700 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।इस दौरान राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव इं. प्रभात सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। आरके गुप्ता, अवधेश सिंह, समीर भटनागर, सुरेश, एएन राय, एसके रजक, योगेंद्र मौर्य, एचएन पांडेय रहे। अध्यक्षता बीएन सिंह व संचालन ओपी पाल ने किया।

ओबरा विधायक संजीव सिंह गौड़ दूसरी बार बने राज्यमंत्री ली शपथ

(आधुनिक समाचार सेव)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला(सोनभद्र) ।ओबरा विधान सभा से लगातार दूसरी बार जनपद में सबसे अधिक मतो के अन्तर से जीत हासिल करने वाले संजीव कुमार को दूसरी बार राज्यमंत्री बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी ब्याप्त है।उनके शपथ लेने के बाद बिल्ली मार्कुण्डी ग्राम पंचायत के बाड़ी स्थित उनके आवास पर पहुच कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसनन्ता ब्यक्त किया। उनके दूसरी बार राज्यमंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनका सरल स्वभाव और सकारात्मक सोच ही उनके लोकप्रियता का कारण है।ओबरा विधान सभा ही नहीं अपितु जनपद के कार्यकर्ताओं के

समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहा करते हैं। संजीव कुमार का मंत्री बनना जनपदवासियो के हित में है।आदिवासी बाहुल्य जनपद सोनभद्र के आदिवासियों समेत क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।लोगो ने कहा कि अपने निधि का पुरा उपयोग विकास के क्षेत्र में खर्च किया।सड़क,पेयजल,बिजली आदि कार्यो को करने का कार्य किया भाजपा के बूथ प्रभारी अरूण चन्द्र प्रभाकर के नेतृत्व में विधायक व राज्यमंत्री के आवास पर हंसराज चौधरी,अनिकेत श्रीवास्तव,विवेक सिन्हा,हरिराम चौरसिया,राजेश साहनी,बजरंगी सेठ,मुकेश [illegible] पाण्डेय,राजेन्द्र,गोविन्द आदि लोगो ने मिठाई खिलाई कर जय श्रीराम के नारे लगाए।

स्टीव स्मिथ ने तोड़ा वर्ल्ड रिकार्ड, बने सबसे तेज 8 हजार टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वर्ल्ड रिकार्ड बना डाला

है। इस धुरंधर बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 8 हजार रन बनाने के मामले में तमाम दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। लाहौर में खेली जा रही सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्मिथ ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की। सबसे तेज 8 हजार रन बनाने के मामले में उन्होंने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को पीछे छोड़ा स्मिथ ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर टेस्ट की दूसरी पारी में 7वां रन पूरा करते ही वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में उतरने से पहले उनके खाते में कुल 7934 टेस्ट रन थे। पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में स्मिथ 59 रन बनाकर आउट हुए थे। इस पारी के बार उनके खाते में कुल 7993 रन हो गए थे। दूसरी पारी में 8 हजार के आंकड़े तक पहुंचने के लिए स्मिथ को महज 7 रन की जरूरत थी जो उन्होंने आसानी से हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 8 हजार रन बनाने का रिकार्ड बना डाला। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में यह खास मुकाम हासिल किया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने 152वीं पारी में यह कमाल किया था जबकि स्मिथ ने 151वीं पारी में ऐसा कर वर्ल्ड रिकार्ड बना डाला। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 154वीं टेस्ट पारी में अपने 8 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे। वेस्टइंडीज के महान गैरी सोबर्स ने 157 पारी के बाद ऐसा किया था जबकि मौजूदा भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को 158 पारी लगे थे इस मुकाम तक पहुंचने के लिए।

रवींद्र जडेजा को जब दिग्गज शेन वार्न ने दी थी सजा पाकिस्तानी क्रिकेटर का खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम नए कप्तान के साथ उतरेगी। गुरुवार को महेंद्र सिंह धौनी ने टीम की कप्तानी छोड़ने

की घोषणा की जिसके बाद आल राउंडर रवींद्र जडेजा को टीम की कमान सौंपी गई। जडेजा ने आइपीएल में राजस्थान रायल्स की टीम के साथ शुरुआत की थी जहां दिग्गज स्पिनर शेन वार्न के साथ उनको खेलने का मौका मिला। पाकिस्तान के क्रिकेटर कामरान अकमल जो राजस्थान की टीम का हिस्सा रह चुके हैं उन्होंने एक खास किस्सा सुनाया। अकमल ने बताया, ठयूसुफ पठान और रवींद्र जडेजा प्रैक्टिस के दौरान थोड़ा लेट पहुंचे थे, तो उस समय वार्न ने उनको कुछ भी नहीं कहा। यहां तक की मैं भी देरी से पहुंचा था लेकिन मैंने टीम को थोड़ी देर बार ज्वाइन कर लिया तो उन्होंने मेरे साथ कुछ भी नहीं किया। हम सभी ने अपनी प्रैक्टिस खत्म की और इसके बाद स्टेडियम से बाहर निकल गए। जब हम दौड़ लगा रहे थे तब उन्होंने ड्राइवर को कहा कि आप गाड़ी रोक दीजिए। इसके बाद वार्न ने उन दोनों (जडेजा और यूसुफ) की तरफ देखा फिर कहा आप दोनों पैदल चलकर आएंगे। यूसुफ और जडेजा को बस से नीचे उतरना पड़ा था तब जबकि होटल से बस तकरीबन दो किलोमीटर की दूरी पर थी। राजस्थान रायल्स की तरफ से खेल चुके गेंदबाज सिद्धार्थ त्रिवेदी ने पूर्व दिग्गज वार्न द्वारा दी जाने वाली एक और अनोखी सजा के बारे में बताया। त्रिवेदी ने बताया कि कैसे टीम मीटिंग में देरी से पहुंचने वालों के लिए टीम के मेटोर और खिलाड़ी रहे वार्न ने पिंकी नाम की गुडिया को रखने की सजा चुनी थी। एक और सजा जो मीटिंग में देरी से आने वालों को दी जाती थी वो थी एक गुडिया जिसका नाम पिंकी था, इसे 24 घंटे तक अपने साथ लेकर घुमना होता था। खिलाडि़यों को हर जगह पर उस गुडि़या को लेकर जाना होता था यहां तक की टीम मीटिंग में भी, जो प्रायोजक होते थे उनके साथ भी मिलना और बाकी काम करने के लिए उस गुडि़या को साथ रखना होता था।

टीम इंडिया में चल रही 'गलाकाट' प्रतियोगिता आलराउंडर बोले- अपनी जगह बचाने के लिए कुछ भी करूंगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बतौर ओपनर विस्फोटक पारी खेलने वाले वेंकटेश अय्यर ने टीम इंडिया तक का सफर तय किया। धमाकेदार पारी खेलते हुए चयनकर्ताओं को

प्रभावित कर भारतीय टीम में इस खिलाड़ी ने अपनी जगह बनाई। टीम में उनको नीचले क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है जिसको लेकर वो खुश हैं। वेंकटेश ने साफ किया टीम में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि एक दो नहीं पीछे सैंकड़ो खिलाड़ी इंतजार में खड़े हैं। वेंकटेश बतौर आलराउंडर टीम इंडिया में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। वह मध्यम गति से गेंदबाजी करते हैं और विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई हालिया सीरीज में उन्होंने चयनकर्ताओं के भरोसे को सही साबित करते हुए कुछ उपयोगी पारी खेली। मुश्किल हालात में रन बनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया। हार्दिक के तुलना पर वेंकटेश बोले, एक क्रिकेटर के तौर पर मेरे अंदर हार्दिक पांड्या के लिए जो उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए किया है उसको लेकर बहुत ज्यादा सम्मान है। वह बहुत ही कमाल रहे हैं। मैं हार्दिक भाई का बहुत बड़ा प्रसंशक रहा हूं। ऐसी तुलना की जानी तो बहुत ही आम सी बात है, लेकिन मैं इन सब चीजों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देता हूं।मैं परिस्थिति के मुताबिक किसी भी जगह पर खेलने के लिए तैयार हूं। बतौर एक पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा ही इस बात को लेकर चलता हूं कि मुझे कुछ भी करने को तैयार रहना चाहिए। हमें इस बात को समझना चाहिए कि हमने एक ऐसे टीम में जगह बनाई है जिसमें गला काट प्रतियोगिता है वो भी हर एक जगह और हर एक खिलाड़ी के लिए।

कप्तान बनने के बाद रवींद्र जडेजा ने कहा, कोई टेंशन नहीं क्योंकि यहीं हैं एम एस धौनी

नई दिल्ली।एम एस धौनी द्वारा सीएसके टीम की कप्तानी छोड़े जाने के बाद अब टीम की कमान रवींद्र जडेजा को सौंप दी गई है। यानी अब धौनी को रवींद्र जडेजा की कप्तानी में खेलना होगा। जडेजा साल 2012 से सीएसके के लिए

खेल रहे हैं और जाहिर है धौनी के साथ खेलते-खेलते उन्हें काफी अनुभव हो गया होगा। धौनी ने सीएसके के भविष्य को देखते हुए ही जडेजा को कप्तानी सौंपी है और जाहिर है उन्होंने ये फैसला कुछ सोच समझकर ही लिया होगा। वैसे अब जडेजा के पास धौनी की विरासत को आगे बढ़ाने की नई जिम्मेदारी है। सीएसके टीम का कप्तान बनाए जाने के बाद रवींद्र जडेजा ने कहा कि मैं इस जिम्मेदारी से काफी खुश हूं और मुझे ज्यादा चिंता करने की जरूरत भी नहीं है क्योंकि महेंद्र सिंह धौनी यहां पर हैं। जो सवाल टीम की बेहतरी को लेकर मेरे दिमाग में आएगा मैं धौनी के पास जाउंगा और उसका जवाब जवाब पूछ लूंगा। वे पहले भी और अब भी मेरे कप्तान थे और रहेंगे। आपको बता दें कि धौनी ने अचानक से ही सीएसके टीम की कप्तानी छोड़कर सबको हैरत में डाल दिया। वहीं उनके इस फैसले को लेकर सीएसके की तरफ से कहा गया कि फ्रेंचाइजी धौनी के फैसले का सम्मान करता है। धौनी ने ये कदम उठाया इसके पीछे जरूर कोई वजह होगी और हम इसे स्वीकार करते हैं। वहीं रवींद्र जडेजा के कप्तान बनाए जाने पर सुरेश रैना ने ट्वीट करते हुए उन्हें बधाई दी और कहा कि मुझे नहीं लगता है कि धौनी के बाद इस जिम्मेदारी के लिए रवींद्र जडेजा से बेहतर कोई और हो सकता था। रैना ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जडेजा टीम व फैंस की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। वहीं विराट कोहली ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि यलो आर्मी के महान कप्तान का कार्यकाल खत्म हुआ। इस चैप्टर को फैंस कभी नहीं भूल पाएंगे और उनके लिए मेरे दिल में हमेशा उनके लिए सम्मान रहेगा।

राजस्थान रायल्स की टीम के मुकाबलों की पूरी जानकारी, कब किस टीम से होगा सामना

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे पापुलर टी20 लीग में शामिल इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन की शुरुआत होने जा रही है। इस बार 8 जगह 10 टीमों के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। बीसीसीआइ ने नए सीजन में दो नई टीम लखनऊ और गुजरात को उतारने का फैसला लिया है। मेगा आक्शन के बाद अब सारी टीमें

आइपीएल में उतरने के लिए तैयार हैं। टूर्नामेंट का सबसे पहला खिताब जीतने वाली राजस्थान के लिए भी यह सीजन अलग होने वाला है। राजस्थान ने हल्ला बोल के एंथम के साथ टूर्नामेंट में आगाज किया था। अब नए सीजन में मेगा अक्शन के बाद टीम बेहद दमदार नजर आ रही है। टीम की कमान संजू सैमसन के हाथों में है तो मार्ग दर्शन श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की रहेगी। युवाओं पर दांव लगाने वाली राजस्थान ने यशस्वी जायसवाल को रिटेन किया है जिनके बल्ले से चेन्नई के खिलाफ पिछले सीजन धमाकेदार पारी निकली थी। 29 मार्च सनराइजर्स हैदराबाद, शाम 7:30 बजे, एमसीए स्टेडियम पुणे 2 अप्रैल मुंबई इंडियंस, दोपहर 3:30 बजे, डीवाई पाटिल स्टेडियम 5 अप्रैल रायल चैलेंजर्स बैंगलोर, शाम 7:30 बजे, वानखेड़े स्टेडियम 10 अप्रैल लखनऊ सुपर जायंट्स, शाम 7:30 बजे, वानखेड़े स्टेडियम 14 अप्रैल गुजरात टाइटंस, शाम 7:30 बजे, डीवाई पाटिल स्टेडियम 18 अप्रैल कोलकाता नाइट राइडर्स, शाम 7:30 बजे, ब्रेबोर्न स्टेडियम 22 अप्रैल दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7:30 बजे, एमसीए स्टेडियम पुणे 26 अप्रैल रायल चैलेंजर्स बैंगलोर, शाम 7:30 बजे, एमसीए स्टेडियम पुणे 30 अप्रैल मुंबई इंडियंस, शाम 7:30 बजे, डीवाई पाटिल स्टेडियम 2 मई कोलकाता नाइट राइडर्स, शाम 7:30 बजे, वानखेड़े स्टेडियम 7 मई पंजाब किंग्स, दोपहर 3:30 बजे, वानखेड़े स्टेडियम 11 मई दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7:30 बजे, डीवाई पाटिल स्टेडियम15 मई लखनऊ सुपर जायंट्स, शाम 7:30 बजे, ब्रेबोर्न स्टेडियम 20 मई चेन्नई सुपर किंग्स, शाम 7:30 बजे, ब्रेबोर्न स्टेडियमसंजू सैमसन (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, अनुनय सिंह, केसी करियप्पा, नाथन कुल्टर नाइल, जिम्मी नीशम, रेसी वान डर डुसें, शुभम गढ़वाल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव, कुलदीप सेन, तेजस बरोका, डेरिल मिचेल, करुण नैयर, ओबेड मकाय, नवदीप सैनी, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा,

पंजाब किंग्स की टीम के मुकाबलों की पूरी जानकारी कब किस टीम से होगा सामना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के आगाज में अब महज कुछ घंटे ही रह गए हैं। टूर्नामेंट में उतरने वाली सभी 10 टीमें इसके लिए तैयार हैं। सभी ने अपनी अपनी योजना के साथ टीम के काम्बिनेशन को तैयार कर लिया है। पिछले सीजन में कुछ खास नहीं कर पाने वाली पंजाब किंग्स की टीम इस बार नए कप्तान मयंक अग्रवाल के नेतृत्व में खेलने उतरेगी। केएल राहुल के टीम छोड़ने के बाद मैनेजमेंट ने मयंक पर भरोसा जताया है। नीलामी में पंजाब ने इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन को 11.5 करोड़ रुपए में खरीदा इसके अलावा अनुभवी ओपनर शिखर धवन और जानी बेयरस्टो भी टीम का हिस्सा हैं। टीम ने इस बार कगीसो रबादा, ओडियन स्मिथ और राहुल चाहर के साथ अंडर 19 स्टार राज अंगद बावा को भी टीम से जोड़ा है। कुल मिलाकर टीम काफी दमदार नजर आ रही है। 27 मार्च, रायल चैलेंजर्स बैंगलोर, शाम 7:30 बजे, (डीवाई पाटिल स्टेडियम) 1 अप्रैल, कोलकाता नाइट राइडर्स शाम 7:30 बजे, (वानखेड़े स्टेडियम) 3 अप्रैल, चेन्नई सुपर किंग्स शाम 7:30 बजे, (ब्रेबोर्न स्टेडियम) 8 अप्रैल, गुजरात टाइटंस, शाम 7:30 बजे, (ब्रेबोर्न स्टेडियम) 13 अप्रैल मुंबई इंडियंस शाम 7:30 बजे, (एमसीए स्टेडियम) 17 अप्रैल, सनराइजर्स हैदराबाद, दोपहर 3:30 बजे, (डीवाई पाटिल स्टेडियम)20 अप्रैल, दिल्ली कैपिटल्स शाम 7:30 बजे (एमसीए स्टेडियम) 25 अप्रैल, चेनन्ई सुपर किंग्स, शाम 7:30 बजे, (वानखेड़े स्टेडियम) 29 अप्रैल, लखनऊ सुपर जायंट्स, शाम 7:30 बजे, (एमसीए स्टेडियम) 3 मई, गुजरात टाइटंस शाम 7:30, (डीवाई पाटिल स्टेडियम) 7 मई, राजस्थान रायल्स, दोपहर 3:30 बजे, (वानखेड़े स्टेडियम) 13 मई, रायल चैलेंजर्स बैंगलोर शाम 7:30 बजे, (ब्रेबोर्न स्टेडियम)16 मई, दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7:30 बजे, (डीवाई पाटिल स्टेडियम) 22 मई, सनराइजर्स हैदराबाद - 7.30 बजे (वानखेड़े)मयंक अग्रवाल (कप्तान), अर्शदीप सिंह, शिखर धवन, कागिसो रबाडा, जानी बेयरस्टो, राहुल चाहर, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज बावा, हरप्रीत बरार, शाहरुख खान, जितेश शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, ईशान पोरेल, ऋषि धवन, नाथन एलिस, अथर्व तांडे, प्रेरक मांकड़, भानुका राजपक्शे, बेनी हावेल, वैभव अरोड़ा, रितिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल

आइपीएल में किस टीम की तरफ से लगे हैं सबसे ज्यादा छक्के, CSK है चौथे नंबर पर

नई दिल्ली।इंडियन प्रीमियल लीग यानी रोमांचक मुकाबले से भरा एक ऐसा टूर्नामेंट जहां दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाज व गेंदबाज अपना हुनर पेश करते हैं। एक बार फिर से आइपीएल 2022 के लिए मंच सज चुका है सारी तैयारियां हो चुकी है और इंतजार है 26 मार्च का जिस दिन इस सीजन का पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और पिछले साल की उप-विजेता टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इस सीजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही है और 70 लीग मुकाबले खेले जाने हैं और इसके बाद प्लेआफ के मैच होंगे। जाहिर है इस बार मैचों की संख्या ज्यादा है तो दर्शकों के लिए क्रिकेट का डोज पहले के मुकाबले और भरपूर है। जब मैच ज्यादा होंगे तो चौके-छक्के भी ज्यादा लगेंगे। वैसे भी मैच का रोमांच तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है जब बल्लेबाज दनादर बाउंड्री मारते हैं और इसमें भी जब छक्के लगते हैं तो दर्शकों का मनोरंजन सबसे ज्यादा होता है। बात जब छक्कों की हो रही है तो आइए आपको बताते हैं कि आइपीएल के पिछले 14 सीजन में किस टीम की तरफ से अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। आइपीएल में अब तक यानी पिछले 14 सीजन में सबसे ज्यादा छक्के मुंबई इंडियंस की तरफ से लगाए गए हैं। इस टीम की तरफ से 1308 छक्के लगे हैं जबकि 1275 छक्के के साथ रायल चैलेंजर्स बैंगलोर दूसरे स्थान पर है। इस लीग में अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर पंजाब किंग्स है और इस टीम की तरफ से अब तक कुल 1166 छक्के लगाए गए हैं। वहीं सीएसके की तरफ से 1165 जबकि कोलकाता की टीम ने इस लीग में अब तक 1113 छक्के लगाए हैं।

विराट कोहली का कप्तानी छोड़ने का फैसला सही क्यों था

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 में एक बार फिर से रवि शास्त्री अपने अंदाज में कमेंट्री करते हुए नजर आएंगे। टीम इंडिया के हेड कोच के पद से हटने के बाद रवि शास्त्री ने कमेंट्री की दुनिया में कदम फिर से रख दिया है। आइपीएल 2022 के शुरू होने से पहले रवि शास्त्री इस टूर्नामेंट व इससे जुड़े खिलाडियों को लेकर काफी सारी बातें सबके सामने रख रहे हैं इसी कड़ी में उन्होंने टीम इंडिया व आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के बारे में भी बात की। विराट कोहली द्वारा टीम की कप्तानी छोड़े जाने वाले मसले पर बात करते हुए रवि शास्त्री ने कहा कि ये टीम के लिए एक तरह से अच्छा ही है। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली के पास अब खुलकर खेलने की आजादी है। शास्त्री के कार्यकाल में भारतीय टीम की कमान लंबे समय तक कोहली के हाथों में रही। वह कोहली और उनके खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के साथ बातचीत में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि कोहली का कप्तानी छोड़ना एक तरह से अच्छा ही है। कप्तानी का दबाव उनके कंधे से उतर गया है। कप्तान होने के साथ जो अपेक्षाएं आती हैं वे अब नहीं हैं। वह जाकर मैदान पर खुलकर खेल सकते हैं। वह खुद को जाहिर कर सकते हैं। और मुझे लगता है कि वह अब ऐसा ही करना चाहेंगे। शास्त्री ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज यह है कि वह अपने निजी प्रदर्शन के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं हैं। चूंकि वो वर्ल्ड क्रिकेट में इतना कर चुके हैं कि लोग जानते हैं कि कोहली कहां खड़े हैं। अब उन्हें मैदान पर उतरकर खेल का लुत्फ उठाना चाहिए। मेरी राय में यही सबसे जरूरी है। यह सब अब मानसिक खेल है।

राशिफल

मेष-:बोलते और वित्तीय लेन देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। अपने जीवनसाथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और खुशी का जशन मनाएं।

वृष-:आज आपका दिन रचनात्मक कार्यों की ओर रहेगा। धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको सफलता की राह पर ले जाएंगे।

मिथुन-:आज आप विलंब और अत्यधिक कार्यभार के कारण मानसिक अशांति का अनुभव करेंगे। ध्यान रखें कि सामाजिक दृष्टिकोण से आपको अपमानित होने की जरूरत नहीं है।

कर्क-:अपने आत्मविश्वास की कमी को अपने ऊपर हावी न होने दें, क्योंकि यह आपकी समस्या को और अधिक जटिल बना देगा, साथ ही आपकी प्रगति में भी बाधा डालेगा।

सिंह-:आज आपको नौकरी से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। आज आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से हो सकती है।

कन्या-:आज आप जिस क्षेत्र में प्रयास करेंगे उसमें आपको पूरी सफलता मिल सकती है। शैक्षणिक कार्यों में भी आपको सफलता मिल सकती है।

तुला-:संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। हो सके तो ठंडे दिमाग से इसे सुलझाने की कोशिश करें। कानूनी हस्तक्षेप फायदेमंद नहीं होगा।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके मन में कुछ नए विचार आते रहेंगे। जिससे आपको मेहनत भी कम करनी पड़ेगी और आप कुछ नया करने की कोशिश भी करे

धनु-:आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज ऑफिस में आपका प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा। सीनियर आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मकर-:किसी और की लापरवाही का खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है। कुछ भी खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें जो आपके पास पहले से हैं।

कुंभ-:आज मामूली बात वैवाहिक जीवन में कलह का कारण बन सकती है। सांसारिक मामलों में अपना व्यवहार उदासीन रखें। तर्क-वितर्क से बचें। अदालती कार्यवाही के संकेत।

मीन-:आज आपके विचार सकारात्मक रहेंगे। आज चतुर आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें, साथ ही निवेश करने से भी बचें। इस राशि के जो लोग गाने के शौकीन हैं

सम्पादकीय

अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, पढ़ें एक्सपर्ट व्यू

राहुल लाल। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने हाल ही में ब्याज दरों में एक चौथाई प्रतिशत की वृद्धि की है। साथ ही अभी इसमें और बढ़ोतरी के स्पष्ट संकेत दिए हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने 2018 के बाद पहली बार ब्याज दर बढ़ाई है। पिछले चार दशकों में सबसे तेज मुद्रास्फीति से निपटने के लिए फेड ने अभियान शुरू किया है। वहीं अनुमान है कि वर्ष 2023 में फेड की दरें 2.8 प्रतिशत तक पहुंच सकती हैं। इस तरह अमेरिकी फेड ने अब कठोर मौद्रिक नीति का रास्ता अपना लिया है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक को अपनी मौद्रिक नीति पर अत्यंत सावधानी से आगे बढ?ा होग रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अभी अमेरिका के समक्ष आर्थिक वृद्धि और महंगाई नियंत्रण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है। अमेरिका में सामान्यतः महंगाई दर दो प्रतिशत रहती है, लेकिन फरवरी 2022 में महंगाई दर बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो गई, जो पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक है। अमेरिका में महंगाई का कारण जनता द्वारा खर्च में वृद्धि से मांग (डिमांड) में अप्रत्याशित वृद्धि है। इससे स्पष्ट है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था महामारी के दौर से बाहर निकल चुकी है। यही कारण है कि यूएस फेड ने मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था को देखते हुए धीमी आर्थिक वृद्धि के जोखिम को स्वीकार किया और महंगाई नियंत्रण को मुख्य लक्ष्य बनाया। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने अमेरिका के वर्ष 2022 के ग्रोथ रेट अनुमान को चार प्रतिशत से घटा कर 2.8 प्रतिशत कर दिया है। बीच भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तरह ही यूएस फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) ने 8-1 के वोट से नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि की अनुमति दी। कोरोना महामारी के काल में ये ब्याज दरें लगभग शून्य के स्तर पर बनी हुई थीं, ताकि अर्थव्यवस्था को गति दी जा सके। इसके पहले यूएस फेड ने दिसंबर 2018 में नीतिगत दरों में वृद्धि की थी, परंतु जुलाई 2019 में इस बढ़ोतरी को वापस कर लिया था। भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर : भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना काल से पूर्व ही चुनौतियों का सामना कर रहा है। वर्ष 2016-17 के प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर 9.2 प्रतिशत था, जो कोरोना से पूर्व ही गिरते हुए 3.2 प्रतिशत तक पहुंच चुकी थी। इस तरह पहले से ही संवेदनशील हालत में पहुंची अर्थव्यवस्था को कोरोना महामारी का सामना करना पड़ा। इस स्थिति में रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को कम रखा, जिससे सस्ते लोन की उपलब्धता बनी रहे। अब भारतीय अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है और लोगों को वास्तव में सस्ते ऋण की जरूरत है, लेकिन यूएस फेड के ब्याज दरों में वृद्धि के बाद अब आरबीआइ पर भी ब्याज दरों में वृद्धि का दबाव होगा। अगर आरबीआइ ब्याज दरों में वृद्धि नहीं करेगा, तो निवेशक भारत से निवेश निकाल सकते हैं। ऐसे में मौद्रिक नीति पर आरबीआइ को अत्यंत सावधानी से निणन्य लेना होगा। इस समय ब्याज दरों में वृद्धि निवेशकों को रोकने में मददगार हो सकती है, लेकिन महंगे लोन से अर्थव्यवस्था की रिकवरी धीमी हो सकती है। इसलिए आरबीआइ को मौद्रिक नीति में सस्ते लोन और निवेशकों के बीच संतुलन कायम करना होगा। वैश्विक निवेशक दुनिया भर की संपत्तियों में निवेश करने के लिए शून्य या कम ब्याज दर वाले देशों से उधार लेते हैं। इसे ही कैरी ट्रेड कहते हैं। अमेरिका में ब्याज दर इस बढ़ोतरी के पूर्व लगभग शून्य पर थी। ऐसे में निवेशक वहां से लोन लेकर भारत सहित अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करते थे, जहां ब्याज दर ज्यादा है। कोरोना काल में भी भारत सहित अन्य कई देशों के शेयर बाजार में तेजी के पीछे कैरी ट्रेड भी था। लेकिन यूएस फेड में बढ़ोतरी से वैश्विक बिकवाली के कारण कैरी ट्रेड उलट भी सकता है। क्या अब भारत में ब्याज दर बढ? की संभावना है : फेड के निणन्यों का असर आरबीआइ के ब्याज दरों पर अवश्य पड़ेगा। अमेरिका में जैसे-जैसे ब्याज दरें बढ़ती रहेंगी, वैसे-वैसे अमेरिका और भारत सरकार के बांड के बीच का अंतर कम हो जाएगा, जिससे वैश्विक निवेशक भारतीय प्रतिभूतियों से पैसा निकालेंगे। इसलिए भारतीय बांड बाजार से एफपीआइ के निकासी को रोकने के लिए आरबीआइ को ब्याज दरें बढ़ाने होंगी। अभी प्रथम स्तर पर यूएस फेड ने केवल 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की है, इसलिए अभी आरबीआइ यूएस फेड के निणन्य से बिना प्रभावित हुए मौद्रिक नीति का निणन्य ले सकती है, लेकिन इस वर्ष ही फेड की दरों में छह बार और वृद्धि होनी है।

लखनऊ में कुछ इस अंदाज में पहुंचे मोदी और योगी के फैंस

लखनऊ। योगी सरकार के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह को लेकर शुक्रवार को शहर में उत्साह जैसा माहौल था। अमौसी एयरपोर्ट से लेकर शपथ समारोह स्थल इकाना स्टेडियम की सड़कों पर दूर तक वाहनों का काफिला ही दिख रहा था। जाम में फंसे लोग नजर आ रहे थे तो वीआईपी वाहनों का के मुख्य गेट से अंदर प्रवेश किए अन्य लोग भी जयकारे लगाने लगे। देखते ही देखते पूरा स्टेडियम भारत माता की जय के जयकारे से गूंज उठा। लग्जरी गाडियों पर नेता और उनके समर्थक मौजूद थे। हर तरफ भाजपा का झंडा लगी गाडियां दिखाई दे रही थी। जय श्रीराम नारे भी सुनाई दे रहे थे। योगी सरकार के

काफिला इकाना स्टेडियम की तरफ जा रहा था। भाजपा मुख्यालय पर भी खासी भीड़ नजर आ रही थी। स्टेडियम के बाहर से लेकर अंदर तक लोगों की हूजूम उमड़ पड़ा था। इस दौरान इसी भीड़ में दो चेहरे एकदम अलग थे। दोनों के चेहरे पर तिरंगा और पूरा शरीर भगवामय रहा। सीने और पीठ पर बड़े-बड़े अक्षरों में मोदी-योगी और भारतीय जनता पार्टी का चुनाव निशान कमल का फूल बनवाएं हुए थे। हाथो में तिरंगा लिए जय श्रीराम के नारे लगाते हुए जैसे ही स्टेडियम दूसरे शपथ ग्रहण समारोह को लेकर शहर में उत्साह जैसा माहौल था। अमौसी एयरपोर्ट से लेकर शपथ समारोह स्थल इकाना स्टेडियम की सड़कों पर दूर तक वाहनों का काफिला ही दिख रहा था। जाम में फंसे लोग नजर आ रहे थे तो वीआईपी वाहनों का काफिला इकाना स्टेडियम की तरफ जा रहा था। भाजपा मुख्यालय पर भी खासी भीड़ नजर आ रही थी। अतिथि ग्रहों के बाहर भी भाजपा नेताओं और विधायक व उनके समर्थकों का जमावड़ा था।

आपकी थाली में शेष : पृथ्वी पर क्लेश, हर वर्ष इस आदत से दूसरों का होता है नुकसान

भारत में हर वर्ष, भोजन की भारी मात्रा में बर्बादी होती है । भारत का प्रत्येक परिवार हर वर्ष औसतन 50 किलो भोजन बरबाद करता है। यह विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी के आंकड़े के लगभग बराबर है। भोजन की बर्बादी से न केवल पर्यावरण को क्षति पहुंचती है, बल्कि इसके चलते लाखों टन भोजन उन्हें नहीं मिल पाता, जिन्हें इसकी सख?त जरूरत होती है। जो भोजन हम खाते हैं, वह आम तौर पर देश के भीतर, महाद्वीप के भीतर और उसके बाहर से भी दूरस्थ इलाकों से आता है, जिसका अर्थ यह है कि पकने और खाए जाने से पहले यह लंबा सफर तय करता है। भोजन के उत्पादन और ढुलाई में इस भोजन के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों को निरंतर हो रहे नुकसान के साथ पर्यावरण को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। खाद्य तेल जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में वृद्धि के लिए, खास तौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया के इंडोनेशिया/मलेशिया, और ब्राजील व लैटिन अमेरिका जैसे देशों में अमूल्य वनों की कटाई हो रही है, जहां वनों को काटकर ताड़ और सोयाबीन की खेती के चलते वन क्षेत्र में भारी कमी आई है। जो भोजन हमारी-आपकी थाली तक पहुंचता है, उसका कुछ अंश छोड़कर हम उसका भारी नुकसान करते हैं, जिसे शहर के कचरा भराई क्षेत्रों में डाल दिया जाता है या फिर समुद्र में फेंक दिया जाता है, और इन दोनों कामों के चलते पृथ्वी का दम घुटता है। हर वर्ष लगभग 1.3 बिलियन टन भोजन फेंक दिया जाता है और दुखद बात यह है कि हम में से प्रत्येक इस बर्बादी के प्रति जिम्मेदार है, हालांकि यह अनजाने में किया गया हो सकता है। किंतु पर्यावरण की ज्यादातर समस्याओं की तरह, यदि भोजन की बर्बादी अनजाने में हो, तो इसका समाधान संभव है, बशर्ते लोग पृथ्वी पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के प्रति सजग हों। सामाजिक हित की मुहिमों में व्यक्तिगत रूप से उठाया गया कदम महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। पानी बचाने से जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता का संचार करने तक, लोगों ने अपने भविष्य को संवारने में इस शक्ति का परिचय दिया है। अर्थ आवर एक ऐसी मुहिम है, जिसने यह साबित कर दिया है कि यदि लाखों लोग एक हों और एक आसान काम करने का संकल्प लें, तो क्या नहीं हो सकता। जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने की एक मुहिम के रूप में सन 2007 में अपनी शुरुआत के समय से, बत्तियों को बंद करते हुए, परिवर्तन-नेतृत्व आंदोलन के अपने मौजूदा अवतार तक, अर्थ आवर ने विश्व भर में नियम, दृष्टिकोण और कार्यकलाप में परिवर्तन किए हैं। अर्थ आवर 2012 रखते हैं - वे जमीनी स्तर के सामान्य जन हैं, जो अर्थ आवर जैसी मुहिमों के माध्यम से पर्यावरण की प्राथमिकताओं को खास बना

के एक अंग के रूप में डब्लूयूडब्लूएफ रूस के नेतृत्व में और नागरिकों के हस्ताक्षरों के साथ पेश एक याचिका पर रूस ने उस देश के समुद्रों की तेल प्रदूषण से सुरक्षा के लिए एक कानून पास किया। सन 2014 में, युगांडा में एक अर्थ आवर फारेस्ट का निर्माण किया गया, और अर्थ आवर 2018 में फ्रेंच पालिनेसियन सरकार ने दक्षिण प्रशांत के एक विशाल समुद्र क्षेत्र की एक मैनेज्ड मरीन एरिया के रूप में घोषणा की। हालांकि सरकारें और संस्थाएं ज्यादातर परिवर्तन का मार्गदर्शन करती हैं, किंतु सच्चा नायक उनमें छिपा होता है, जो हितों में विश्वास रहे हैं। अर्थ आवर पर्यावरण के लिए फिर से कदम बढ़ाने का एक अवसर है - सुखकर जीवन जीने का प्रयास करने से विश्व के मार्गदर्शकों को सही विकल्पों का चयन करने को प्रेरित करने तक, हर व्यक्ति में अपने भविष्य को संवारने की शक्ति है। भोजन एक उतना ही अमूल्य संसाधन है, जितना कि कोई अन्य, क्योंकि पृथ्वी पर इसके प्रभाव देखे जा सकते हैं - जमीन पर, पानी में, हवा में, वन में और यहां तक कि जैवविविधता में भी। अमूल्य भोजन स्रोतों को कम करने, उनका पुनर्चक्रण करने और उन्हें फिर से उपयोग योग्य बनाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास कर भी भारत में भोजन की भारी मात्रा में होने वाली बरबादी में कमी की जा सकती है। यदि हमने अभी कदम नहीं बढ़ाया, तो हम पर्यावरण की एक और त्रासदी का कारक हो सकते हैं। विवाह जैसे बड़े सामाजिक उत्सवों में, जहां अनुमानतः 20 से 40 प्रतिशत भोजन बर्बाद हो जाता है, जिसे फेंक दिया जाता है, लोग पहले से ही प्रयास कर रहे हैं। इस बर्बादी को रोकने के लिए 'फीड इंडिया' और इस जैसे अन्य प्रयास जारी हैं, किंतु व्यक्तिगत स्तर पर अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। भोजन की बरबादी को कम करने का हमारा प्रयास भोजन खरीदने की प्रक्रिया से ही शुरू हो सकता है। इसके लिए खरीदने के विवेकपूर्ण और सजग अभ्यास की जरूरत होती है, ताकि भारी मात्रा में भोजन बचाया जा सके। हम ज़ायके वाले खाद्य उत्पादों, जैसे खाद्य तेल और सुगंधित खाद्य पदार्थ, में अपने स्वास्थ्य से समझौता किए बगैर - और कुछ हद तक खर्चों में कमी कर भी - आसानी से कटौती कर सकते हैं! भोजन बचाने का एक और तरीका यह है कि वही खरीदें जो आप खाएं या फिर जो निहायत ही जरूरी हो। अक्सर, हम खाद्य पदार्थ बगैर किसी योजना के यों ही खरीद लेते हैं, जिसके फलस्वरूप अनावश्यक बरबादी होती है। ऐसे अवसरों पर जब योजना भी उपयुक्त नहीं हो, और भोजन बरबाद हो जाए, तब हमारे पास एक अच्छा अवसर होता है कि हम उसका परिवार में फिर से उपयोग कर लें। यदि दोबारा उपयोग संभव न भी हो, तो छोड़े हुए भोजन की घर में खाद बनाकर या घर से बाहर स्रोत स्थल पर उसकी छंटाई कर उसका सुरक्षित ढंग से उपयोग किया जा सकता है। सोच-समझ कर खरीदने, योजना बनाने और भोजन की बरबादी को रोकने के व्यक्तिगत प्रयासों से हम एक वैश्विक समाधान में सहभागी हो सकते हैं। इस अर्थ आवर के अवसर पर, संकल्प लें, भोजन की बरबादी में कमी करेंगे और अपना भविष्य संवारिए आंदोलन में शामिल होने के लिए पर्यावरण के अनुकूल जीवन अपनाएंगे! अर्थ आवर 26 मार्च, 2002 को मनाया जाएगा - जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने और इतिहास की महानतम पर्यावरण मुहिम में शामिल होने के लिए 8 बज कर 30 मिनट से 9 बज कर 30 मिनट तक अनावश्यक बत्तियां बंद रखें।

लोगों की नजर में सुदृढ़ कानून एवं व्यवस्था योगी सरकार की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी

जब पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, तब आस्ट्रेलिया के एक सांसद क्रेग केली ने कहा था कि क्या कोई ऐसा रास्ता है, जिससे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ दिनों के लिए उन्हें मिल जाएं, ताकि उनका देश कोरोना संकट से उबर सके। इसके पीछे कारण था योगी आदित्यनाथ का कुशल कोरोना प्रबंधन। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोरोना पर काबू पाने के मामले में योगी सरकार के कुशल प्रबंधन की सराहना की थी। ध्यान रहे कि कोरोना पाजिटिव होने के बावजूद योगी आदित्यनाथ कोरोना प्रबंधन में जुटे रहे। उन्होंने प्रदेश भर का दौरा भी किया। वास्तव में इसी कारण चुनावों के समय विपक्ष का यह आरोप असरहीन रहा कि कोरोना संकट के दौरान योगी सरकार कुछ नहीं कर पाई। शायद जनता ने योगी सरकार के पांच साल के कार्यकाल का मूल्यांकन करते हुए यह भी समझा कि सरकार के दो साल तो कोरोना की भेंट चढ़ गए। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करने वाला माना जा रहा था। कई राजनीतिक पंडितों और पत्रकारों की अटकलों के बीच भाजपा नेतृत्व अपनी जीत को लेकर आशवस्त था। ऐसा हुआ भी और योगी आदित्यनाथ 37 सालों में पहले ऐसे मुख्यमंत्री बने, जो पांच साल का अन्य राज्यों में रहने वाले यहां के लोग भी योगी सरकार के कामकाज से संतुष्ट थे। लोगों की नजर में सुदृढ़ कानून व्यवस्था सरकार की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी, जो पिछली सरकारों में लचर थी।

कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर सत्ता की बागडोर संभालने जा रहे है। योगी आदित्यनाथ सरकार की वापसी में मुफ्त राशन, कानून व्यवस्था के साथ अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी सहायक बनीं। उत्तर प्रदेश और आम तौर पर लोगों का यही कहना था कि योगी सरकार में हर तरह के माफिया का आतंक कम हुआ है। राजस्व विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 15 अगस्त 2021 तक 62423.89 हेक्टेयर जमीन को भूमाफिया से मुक्त कराया गया। 144 नए थानों और 50 पुलिस चौकियों की स्थापना के साथ ही 1.38 लाख पुलिस कमिन्यों की नियुक्ति की गई। लखनऊ में पुलिस फोरेंसिक विज्ञान संस्थान की नींव रखी गई, साइबर सेल की स्थापना की गई। इसके अलावा ई-प्रॉक्सीक्यूशन प्रणाली और विधि विज्ञान प्रयोगशाला बनाने जैसे कदमों ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। चुनाव के दौरान महिलाओं से बातचीत में हमारी टीम ने पाया कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगी सरकार ने कुछ ऐसे बुनियादी काम किए, जिन्होंने उनमें आत्मविश्वास जगाया। प्रधानमंत्री आवास योजना में मिले आवासों का पंजीकरण महिला के नाम से किया गया। उज्जवला योजना में गैस चूल्हा-सिलिंडर वितरण, शौचालय निर्माण और तीन तलाक-कानून को यूपी में तन्मयता से लागू किया गया। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, बैंकिंग सखी योजना, मिशन शक्ति, पिंक पेट्रोलिंग, पिंक बस, एंटी रोमियो स्कवाड, कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए मुखबिर योजना के साथ ही मुफ्त राशन वितरण जैसे कदमों ने मोदी और योगी को महिलाओं का मसीहा बना दिया। महिलाओं ने जाति, समुदाय और पार्टी लाइन से हटकर भाजपा को वोट दिया। कई राजनीतिक विशेषज्ञ यह मान रहे थे कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन के चलते भाजपा को नुकसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि गनन मूल्य का त्वरित भुगतान हो या एमएसपी पर फसलों की खरीद, योगी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए। किसानों के लिए एमएसपी पर जितनी खरीद योगी सरकार ने की, उतनी प्रदेश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुई। हमारी टीम ने पाया कि ईज आफ डूइंग बिजनेस में यूपी की बड़ी छलांग ने युवाओं को आकर्षित किया। ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर रक्षा उपकरणों की विदेशी निर्माता कंपनियों के निवेश, नए-नए एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे, डिफेंस कारिडोर और तकनीक से संबंधित नए निवेश और 'एक जनपद एक उत्पादऽ योजना ने युवाओं में रोजगार सृजन का विश्वास जगाया। शिक्षा की बात करें तो 2017 से पहले यूपी से 10वीं-12वीं पास करने वाले विद्याथिन्यों को शक की निगाह से देखा जाता था, क्योंकि नकल माफिया सक्रिय था। मीडिया में रिपोर्ट आती थीं कि उत्तर प्रदेश में पांचवी कक्षा तक के लगभग आधे बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को भी हल नहीं कर पाते। योगी सरकार ने तकनीक का सहारा लिया और स्कूली बच्चों की समझ के स्तर के आधार पर उनके अलग-अलग समूह बनाए गए। उन समूहों को प्रत्येक दिन दो-दो घंटे विशेष पर्यवेक्षण में रखा गया। अगस्त-सितंबर 2018 में शुरू की गई इस पहल में एक लाख 13 हजार स्कूलों में ऐसे दो लाख 30 हजार समूह बनाए गए। तीन महीनों में इन बच्चों के ज्ञान और समझ में 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सर्वाधिक लाभ दलित और अति पिछड़ी जातियों के बच्चों को हुआ। यह आंकड़ा गरीबी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य कर रही संस्था अब्दुल लतीफ जमील पावर्टी एक्शन लैब (जे-पाल) का है। हमारी टीम ने लोगों को यह भी कहते पाया कि जब नेता अपने परिवार का हित साधने में लगे रहते हैं, तब योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं।

शहरों की दशा सुधारने का समय, स्थानीय निकाय संस्थाओं में अव्यवस्था ने हमारे शहरी ढांचे और नागरिकों को किया त्रस्त

इस महीने पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आए। अगले दौर के चुनावों के बीच कुछ अंतराल है। ऐसे में यह सबसे अनुकूल समय है कि गुड गवर्नेंस यानी सुशासन के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। शासन प्रणाली में भारत एक परिसंघ का आभास कराता है, परंतु वास्तव में वह राज्यों का एक अविनाशी संघ है। राज्यों के इस संघ में केंद्र सरकार राज्यों की सरकारों से कहीं अधिक शक्तिशाली है। संवैधानिक-प्रशासनिक बिंदुओं से भले ही यह पुष्ट होता हो, परंतु जब हम जीवन की गुणवत्ता से जुड़े कई मानकों पर दृष्टि डालते हैं, तो उनमें राज्य सरकारों का अधिक प्रभाव दिखता है। अभी जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, वहां जनता ने सरकारों को स्पष्ट जनादेश के साथ चुना है। उनके पास एक ऐसा मंच है, जहां से वे विलंबित समस्याओं का समाधान करें। ऐसी तमाम समस्याएं समाधान की बाट जोह रही हैं। इनमें से एक समस्या लंबे समय से प्रतीक्षारत है, जिसने हमारी शहरी व्यवस्था, उसके समग्र ढांचे और नागरिकों को त्रस्त किया हुआ है। यह परेशानी स्थानीय निकाय प्रशासन से जुड़ी हुई है। इस मोर्चे पर अत्यंत खराब स्थितियां हमारी आर्थिक प्रगति को झुठलाती दिखती हैं। हमारे शहर स्वस्थ जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्षरत हैं। यहां-वहां गंदगी और कचरे का ढेर दिखना आम है। कचरा उठाना, उसे वर्गीकृत कर अलग करना और उसके निस्तारण का स्तर बहुत लचर है। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम बाबा आदम के जमाने के हैं। खुले नाले निर्ममता से अमूल्य जीवन को लील रहे हैं। अतिक्रमण बेलगाम है। फुटपाथ गायब हो रहे हैं। सड़कें अक्सर दूसरे मानसून का मुंह नहीं देख पातीं। पहले से कायम छुट्टा पशुओं की समस्या पर यदि लगाम नहीं लगाई गई तो यह एक बड़ा खतरा बन जाएगी। पालतू जानवरों के पालकों को न तो नियमों की जानकारी है और न ही उनके अनुपालन के प्रति उनकी कोई दिलचस्पी। गंदगी, थूकना और क्षुद्रता भरा आचरण बदस्तूर कायम हैं। इनसे निपटने के लिए कानून और दंड प्रविधान तो किए गए हैं, लेकिन उन्हें कभी गंभीरता से अमल में नहीं लाया जाता और वे कागजी बनकर रह गए हैं। ऐसी अराजकता के बीच प्रशासनिक तंत्र बेपरवाह और नागरिक कभी असहाय, कभी निराश और दुर्भाग्यवश कई बार उसमें सक्रिय रूप से भागीदार होते हैं। ऐसे में कोई हैरानी नहीं कि हमारे शहर गंदे और प्रदूषित शहरों की श्रेणी में अव्वल आते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य का हमारे जीवन की गुणवत्ता से सीधा सरोकार है। ये विषय समवर्ती सूची में शामिल हैं, जहां केंद्र और राज्यों, दोनों को अपनी भूमिका निभानी है। अधिकांश टीयर-2 और टीयर-3 शहर उच्च

गुणवत्ता वाली शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से बड़े पैमाने पर वंचित हैं। रोजगार के अवसरों की कमी के अलावा गुणवत्तापरक शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव लोगों के अपने गृहनगरों को छोड? की एक बड़ी वजह है। परिणामस्वरूप छोटे शहरों से कुछ बड़े शहरों में पलायन की बाढ़ आ जाती है। इससे उन बड़े शहरों के बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ता है। इस रुझान को केवल छोटे एवं मझोले शहरों में सुविधाएं बढ़ाकर ही पलटा जा सकता है। अक्सर कहा जाता है कि भारत गांवों में वास करता है और किसान एवं कामगार देश के सच्चे प्रतिनिधि हैं। मेरी दृष्टि में ऐसी बातें कालातीत हो चुकी हैं। आज ऐसे वर्गों के साथ-साथ भारत का शिक्षित मध्य वर्ग देश का वास्तविक प्रतिनिधि बनकर उभरा है, जो छोटे-बड़े शहरों में निवास करता है। वह अर्थव्यवस्था को गति देने वाला पहिया और विमर्श को गढ? वाला जनमत निर्माता है। सरकार इस वर्ग के लिए भी सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के दायित्व से बंधी है। वित्तीय एवं बौद्धिक संसाधनों तक बेहतर पहुंच वाली केंद्र सरकार इसके लिए योजना तो बना सकती है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में बड़ी भूमिका तो राज्य सरकारों की ही होती है। हमें यह विस्मृत नहीं करना चाहिए कि सुशासन में जितना महत्व किसी योजना की संकल्पना का है, उतना ही उसे मूर्त रूप देने का भी। ऐसे में यह सोचना स्वाभाविक प्रतीत हो सकता है कि हमारे यहां जिस प्रकार की त्रिस्तरीय शासन प्रणाली है, उसमें क्या हम राज्य सरकारों को उसके लिए दोषी नहीं ठहरा रहे हैं, जो वास्तव में स्थानीय निकायों की विफलता है? वास्तविकता तो यह है कि छोटे शहरों में नगरपालिकाएं इतनी निस्तेज हैं कि वे चर्चा करने योग्य भी नहीं हैं। उनकी क्षमताओं में सुधार एवं सशक्तीकरण भी राज्यों का ही विषय है। राज्य सरकारें संघीय ढांचे की दुहाई देकर विकेंद्रीकरण की मांग तो करती रहती हैं। जबकि वे खुद शक्ति संकेंद्रण की दोषी हैं और इस प्रक्रिया में शासन के तीसरे स्तर को कमजोर कर रही हैं। कानून एवं व्यवस्था, जो कि मूल रूप से राज्यों का विषय है, के साथ ही यदि राज्य सरकारें स्वच्छता, स्थानीय निकाय सुशासन, शिक्षा और स्वास्थ्य की दिशा में सक्रियता दिखाएं तो जबरदस्त कायाकल्प सुनिश्चित होगा। इससे पूंजी निवेश और रोजगार सृजन में स्वाभाविक रूप से सहवर्ती तेजी देखने को मिलेगी। असल में किसी शहर का वास्तविक आकार उसके भूगोल और जनसांख्यिकी से कहीं अधिक उसकी अंतर्निहित संभावनाओं से निर्धारित होता है। मसलन क्या उसमें अपनी जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की क्षमताएं हैं कोई शहर वास्तव में तब छोटा हो जाता है, जब उसमें रहने वालों के सपने उससे बड़े हो जाते हैं। जब आपको अवसरों की कमी के कारण अपने गृहनगर और अनुकूल परिवेश से मजबूरन बाहर निकलना पड़े तो यह बहुत कचोटता है। बाहरी निवेश की बात तो भूल ही जाइए, पहली सफलता तो स्थानीय निवेश और प्रतिभाओं को सहेजने से ही जुड़ी है। हमारे महानगरों पर बोझ घटाने का भी यह एक तार्किक उपाय है। यह संदेश केवल नई चुनी हुई सरकारों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी राज्य सरकारों के लिए है।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी के बाद अब राबड़ी ने दिया मुकेश सहनी को बड़ा झटका क्यों करते हैं लालू की तारीफ, यह भी बताया

पटना। मंत्री मुकेश सहनी प्रकरण अभी सियासत का विषय बना हुआ है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस मुद्दे पर बयानबाजी कर रहा है। भाजपा ने मंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी है। वहीं मंत्री ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है। राजद और कांग्रेस भी मामले में तंज कस रहे हैं। इस बीच पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने बड़ी बात कह दी है। उन्होंने कहा कि मुकेश सहनी ने जैसी करनी की, वैसा भोग रहे हैं। तेजस्वी यादव पर पीठ में खंजर घोंपने का आरोप लगाने की बाबत पूछे जाने पर पूर्व सीएम ने कहा कि पीठ में छूरा घोंपने का काम तो सीएम नीतीश कुमार और भाजपा ने किया है। वे गुरुवार को विधानसभा परिसर में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रही थीं। शुक्रवार को भी उन्होंने अपनी बातें रखीं। भाजपा और जदयू पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगा दिया। यह भी कह दिया कि मुकेश सहनी से बड़े-बड़े निषाद नेता उनकी पार्टी में हैं। उनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि लालू यादव याद आब तारन। अब तो याद आएंगे ही, क्योंकि लालूजी ने ही उनलोगों को जुबान दी। बता दें कि पीठ में खंजर घोंपने का आरोप लगा राजद से दूरी बनाने वाले मुकेश सहनी अब लालू प्रसाद की जमकर सराहना करते हैं। राजद से दोस्ती तोड़ने को अपनी बड़ी गलती बता रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने तेजस्वी की तरफ एक तरह से दोस्ती का हाथ भी बढ़ा दिया था। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का यह बयान सामने आया है। उन्होंने मुकेश सहनी पर तंज कसने के साथ ही भाजपा और सीएम पर जुबानी हमला किया। राजद ने मंत्री मुकेश सहनी के आरोपों पर भाजपा से स्पष्ट करने को कहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से क्या डील हुई थी राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि मुकेश सहनी क्यों कह रहे हैं कि उस बातचीत को सार्वजनिक करना देशहित में नहीं होगा।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर आगामी 2 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान का होगा संचालन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर आगामी 2 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पूरे जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान संचालित होने जा रहा है। इसी कार्यक्रम के दौरान 15 अप्रैल से 10 तक कार्यक्रम भी आयोजित होगा शासन के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला अधिकारी सुहास एलवाई ने आज संबंधित अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों एवं अन्य बीमारियों से नागरिकों को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन का यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम है विभागीय अधिकारी गण इस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से कार्य योजना समय रहते तैयार कर लें और उसके अनुरूप पूरे माह संचारी रोग नियंत्रण अभियान का संचालन मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में इस दौरान नगरपालिका क्षेत्रों ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान संचालित किया जाएगा। आम नागरिकों को सफाई के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 15 अप्रैल दस्तक कार्यक्रम आरंभ होगा, जो 30 अप्रैल तक संचालित रहेगा। इसी कार्यक्रम में आंगनवाड़ी एवं आशा के द्वारा घर घर जाकर आम

नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगी। जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को जनपद में पूर्ण रूप से सफल बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि आम नागरिकों को विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित बनाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

राजकीय आईटीआई नोएडा के परिसर में संपन्न हुआ वृहद अप्रेंटिस/रोजगार मेला

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा गौतम बुद्ध नगर के प्रधानाचार्य मनोज सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आज मिशन रोजगार योजना के तहत राजकीय आई टी आई नोएडा सेक्टर 31 के परिसर में रोजगार मेले का आयोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में जनपद गौतम बुद्ध नगर के 24 औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने प्रतिभाग एवं 411 अभ्यार्थियों ने मेले में उपस्थित होकर अपना साक्षात्कार दिया, जिनमें से 56 अभ्यर्थियों का चयन अप्रेंटिस तथा 185 अभ्यर्थियों का चयन जॉब के लिए किया गया। आयोजित रोजगार मेले में राजकीय आईटीआई नोएडा का समस्त स्टाफ के द्वारा रोजगार मेले को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। उन्होंने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अधिकारी के नेतृत्व में आगामी 21 अप्रैल को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर 31 निठारी नोएडा के कैंपस में अप्रेंटिस/रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यार्थी अप्रेंटिस के लिए प्रतिभाग कर सकते हैं।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

26 मार्च को नोएडा स्टेडियम मे देश का पहला ठखेलो दुनियाठ कार्यक्रम होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। देश के युवाओं के बीच खेल को बढावा देने के लिए एवं भारत को महान खेल राष्ट्र बनाने के उद्देश्य को पूरा करने हेतु भारत सरकार के खेलों दुनिया कार्यक्रम 26 एव 27 मार्च को नोएडा स्टेडियम मे आयोजित किया गया है ।उक्त जानकारी सिक्यूरिटी सोल्युसन निदेशक अनीता अरोडा ने एक प्रेसवार्ता के माध्यम से दी उन्होंने नोएडा प्राधिकरण की सीइओ रितु माहेश्वरी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को धन्यवाद भी दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को उडान देता खेलो दुनिया कार्यक्रम के माध्यम से देश के सभी प्रमुख खेलों में देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को देश का नाम रोशन करने मे सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का उदघाटन नोएडा प्राधिकरण की सीओ रितु माहेश्वरी करेगी। इसमें सभी खेलो को रखा गया है अभी तक लगभग 800 खिलाडियों के नाम पंजीकृत हो चुके है ।जिसमें सबसे ज्यादा बैडमिंटन के खिलाड़ियों के नाम है। इस आयोजन मे 4000 दर्शकों के लिए निशुल्क बैठने की व्यवस्था की गयी है । इस आयोजन से देश को कयी ऐसी प्रतिभाए मिलेगी जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेगी।

ग्रॉस डोमेस्टिक नॉलेज पर प्रेस मीट का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा, ने ग्रॉस डोमेस्टिक नॉलेज प्रोडक्ट पर प्रेस मीट का आयोजन किया। बृहस्पतिवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरि कृष्ण मरम, एनेनबर्ग स्कूल के डिजिटल फ्यूचर सेंटर, दक्षिणी कैलिफोनिन्या विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. जेफ कोल, भारत में ग्रॉस डोमेस्टिक नॉलेज मॉडल के आविष्कारक प्रो. अम्बटी सुलपासो राष्ट्र के स्वास्थ्य एवं समृद्धि के लिए नए मैट्रिक्स के तौर पर ग्रॉस

आईएमएस की डीन प्रो. (डॉ.) मंजू गुप्ता एवं विजन डिजिटल इंडिया के चेयरमैन डॉ. हरि कृष्ण मरम ने अपने विचार प्रकट किए। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के विषय-वस्तु एवं उद्देश्य की विस्तृत चर्चा की गई। प्रेस मीट की शुरुआत करते हुए प्रो. (डॉ.) मंजू गुप्ता ने बताया कि आईएमएस नोएडा शुक्रवार एवं शनिवार को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, ओमान, ईरान, तुर्की, रोमानिया, नाइजीरिया, आयरलैंड, ट्रुनेशिया, एवं ब्राजील के साथ-साथ भारत के विशेषज्ञ अपना विचार प्रकट करेंगे। वहीं कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि विजन डिजिटल इंडिया के चेयरमैन डॉ. डोमेस्टिक नॉलेज प्रोडक्ट (जीडीकेपी) का उल्लेख करेंगे। वहीं डॉ. हरि कृष्ण मरम ने कहा कि 25 एवं 26 मार्च को आयोजित आईएमएस नोएडा के 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आधिकारिक घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन जीडीपी के विपरीत ग्रॉस डोमेस्टिक नॉलेज प्रोडक्ट (जीडीकेपी) के पैरामीटर पर भारत के विकास को मापने के लिए एक नई पहल है। इस सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया भर के बुद्धिजीवियों को एक साथ लाना है, जिन्होंने अपने विचारों को साझा करने और अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए उद्योगों और शिक्षा जगत में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

24 बच्चे पहुंचे मैहर सिविल अस्पताल 4की हालत नाजुक सतना जिला अस्पताल रेफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। माध्यमिक शाला मैहर के खेरवासानी गांव में बच्चो पर चल रहे वैक्सीनेशन से बच्चे हुए बेहोश अमदरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्कूली बच्चों को लगाई गई कोरोना वैक्सीन में हुई भारी लापरवाही की वजह से हुआ रियेक्शन 45 बच्चो ने लिय था डोज आभी तक 24 बच्चों से ज्यादा पहुंचे सिविल अस्पताल मैहर 4 सतना जिला रेफर परिजन हो रहे परेशान युवा नेता समाजसेवी आदर्श चतुर्वेदी रहे मौजूद उन्होंने सभी के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने की अपील की है ताकि सभी बच्चे जल्द स्वस्थ हो साथ ही क्षेत्र में जन जन के समस्यों में हमेशा एक सक्रिय व्यक्ति के रूप में लगातार अपने काम से पहचान बनाने वाले युवा नेता आदर्श चतुर्वेदी जी रहे मौजूद और उन्हों ने कहा है कि हम शासन प्रशासन से मांग करते है कि इस लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए जिससे दुबारा ऐसी गलती नही हो आज कई लोगो की जान खतरे में है।

आदरणीय बन्धुओ माताओ बहनों सादर नमन। आपके द्वारा दान किया गया अमूल्य रक्त आपात स्थिति में किसी के जीवन को बचाने में सहायक होता है। रक्तदान शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। ब्यौहारी आप सभी को अनुरोध के साथ सूचित किया जाता है, कि आगामी दिनांकः- 27:03:2022 रविवार को समय प्रातः 11:30 बजे से मानव सेवा भाव के उद्देशय से वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई-ब्यौहारी के बहनों द्वाराजय स्तम्भ के ठीक सामने शास0 उत्कृष्ट विद्यालय मेन रोड-ब्यौहारी के सभागार मे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें नगर के आप सभी बन्धुओ, माताओ बहनों से निवेदन है कि आप रक्तदान करते हुए इस महादान में सहभागी बनने की कृपा करें ताकि अनजाने मे ही सही किन्तु आपके द्वारा दिये गये रक्त से किसी के जीवन को बचाना संभव हो सकता है और अपनो को भी जरूरत होने पर आसानी से रक्त मिल सके। साथ ही रक्तदान करने से हमारे शरीर को कई फायदे होते हैं। हम कई सारी बीमारियों से बचतें हैं। आईए इस महादान में शामिल होकर किसी के जीवन दाता और पुण्य के भागी बनें।

कलेक्टर पहुंचे मैहर, बच्चों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना । 24 मार्च 2022/अमदरा में टीकाकरण के दौरान अस्वस्थ हुए 4 बच्चो के स्वास्थ्य का जायजा लेने कलेक्टर अनुराग वर्मा सिविल हॉस्पिटल मैहर पहुंचे। कलेक्टर ने बच्चों और उनके अभिभावकों से बातचीत की और उपचार प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव भी उपस्थित थे। मैहर सिविल हॉस्पिटल में मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक अवधिया ने बताया कि अमदरा में टीकाकरण के पश्चात 4 बच्चों को बेचैनी और अस्वस्थता की शिकायत हुई थी। जिन्हें तत्काल मैहर लाकर ऑब्जर्वेशन में रखा गया। सभी चार बच्चों की जांच में ब्लड प्रेशर एवं अन्य जांचे सामान्य पाई गई। ड्रिप लगाने के बाद सभी बच्चे स्वस्थ हैं। खतरे की कोई बात नहीं है। मैहर और सतना से डॉक्टरों की एक टीम अमदरा भेजी गई है, जो आज टीकाकृत हुए सभी बच्चों को आब्जर्व करेगी

बायो सीएनजी ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में लाभकारी, देश की ऊर्जा जरूरतों को भी करेगा पूरा

नई दिल्ली। बायोगैस/ बायो सीएनजी एक अक्षय ऊर्जा उद्योग के रूप में उभर रहा है जो कृषि, औद्योगिक, पशु और नगरपालिका के जैविक कचरे को ऊर्जा में परिवर्तित करता है। देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के अलावा, यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को विनियमित करने, प्रदूषण को कम करने और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करने में भी मदद करता है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डा. ए.के.शुक्ला के अनुसार, भारत में बायोगैस उत्पादन की 1,108 (टेरा वाट-घंटे)

की क्षमता है, जिसे संशोधित करके बायो सीएनजी में बदला जा सकता है एवं ग्रीन फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। यह उद्योग श्रम प्रधान है व कुशल और अकुशल दोनों श्रेणियों में रोजगार के अवसर प्रदान कर सकता है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डा. ए.के.शुक्ला कहते हैं कि बायोगैस उद्योग तीन अलग-अलग श्रेणियों में रोजगार पैदा कर सकता है। रोजगार की पहली श्रेणी बायोगैस परियोजनाओं में प्रत्यक्ष रोजगार है, जिसमें फसल उत्पादन, निर्माण, बायोगैस संयंत्रों के संचालन और रखरखाव और परिवहन के लिए आवश्यक सभी जनशक्ति शामिल हैं। दूसरी श्रेणी बायोगैस ईंधन चक्रों में निवेश के कारण अर्थव्यवस्था में उत्पन्न अप्रत्यक्ष रोजगार है। अप्रत्यक्ष नौकरियां मुख्य रूप से सहायक उद्योगों जैसे उपकरण निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं, आदि में हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अलावा, बायोगैस उद्योग में प्रेरित रोजगार पैदा करने की क्षमता है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काम के अवसरों के माध्यम से राजस्व में वृद्धि के परिणामस्वरूप उत्पादों और सेवाओं की मांग में स्वच्छ भारत मिशन में से बायो सीएनजी बनाने को प्रोत्साहित किया गया है योजना के अंतर्गत जैविक कूड़े से बनने वाली बायो सीएनजी के लिए अनिवार्य रूप से खरीददता है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डा. ए.के.शुक्ला बताते हैं कि एमएसडब्ल्यू से बायो सीएनजी बनाना सर्कूलर इकॉनमी एवं वेस्ट टू वेल्थ का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो नगर निकायों को न सिर्फ जैविक कूड़े से मुक्ति दिलाएगा अपितु गैस की बिक्री से राजस्व भी अर्जित करेगा। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के अनुसार, भारत में मुख्यतः छोटे बायोगैस सयंत्रो का वर्चस्व है। देश में, 48,00,000 से अधिक बायोगैस इकाइयां हैं, जो अर्ध-कुशल और अकुशल दोनों तरह के श्रमिकों को रोजगार देती हैं। आने वाले वर्षों में संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, क्योंकि सरकार का जैविक खेती और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर व्यापार को आगे बढ़ाएगा 2018 में, भारत सरकार ने (सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन) योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य विभिन्न बायोमास स्रोतों से संपीडित बायोगैस उत्पादन के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट डा. ए.के.शुक्ला कहते हैं कि 2025 तक, पहल 5000 बड़े पैमाने पर बायोगैस सुविधाओं का निर्माण करना चाहती है। इन बायोगैस संयंत्रों को लगाने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाएं भी एक स्थायी समाधान के रूप में बायोगैस का समर्थन करती हैं।

वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने पेश किया आउटकम बजट दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से तीन गुना अधिक

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 2022 शुक्रवार को भी जारी है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को विधानसभा में वर्ष 2021-22 के आउटकम बजट की स्टेटस रिपोर्ट पेश की। इस मौके पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस रिपोर्ट सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति का विवरण दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने अपने स्कूलों में 13,181 कक्षाओं का निर्माण किया है, जबकि सरकारी स्कूलों में नामांकित छात्रों की संख्या 15 लाख से बढ़कर 18 लाख हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल आफ एक्सीलेंस के 31 स्कूलों में 4,800 सीटों के लिए लगभग 80,000 आवेदन प्राप्त हुए। देशभक्त पाठ्यक्रम सभी सरकारी स्कूलों में लागू किया गया है और अगले साल से निजी स्कूलों में लागू किया जाएगा। दिल्ली के आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 की रिपोर्ट शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में पेश की। इसमें कई बड़े आंकड़े सामने आए हैं जो दिल्ली की आर्थिक तस्वीर बयां करते हैं। सर्वे के मुताबिक दिल्ली में 2021-22 में प्रति व्यक्ति आय सालाना आधार पर 16.81 प्रतिशत बढ़कर 4,01,982 रुपये हो गई है। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से तीन गुना अधिक है। वहीं सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक प्रति व्यक्ति आय के मामले में सिक्किम और गोवा के बाद तीसरे स्थान पर दिल्ली है। वित्त वर्ष 2021-22 में दिल्ली का सकल घरेलू उत्पाद सालाना आधार पर 17.65 प्रतिशत बढ़कर 9,23,967 करोड़ रुपये हुआ है। दें कि शनिवार को सुबह 11 बजे वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया साल 2022-23 के लिए दिल्ली का बजट पेश करेंगे। इसके बाद रविवार को अवकाश के बाद विधानसभा स्थगित रहेगी और फिर रववार को बजट पर चर्चा होगी। बजट सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को भी बजट पर चर्चा होगी और फिर बजट प्रस्ताव को पास किया जाएगा। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष संख्या बल के लिहाज से कमजोर है, इसलिए आसानी से दिल्ली का बजट पास हो जाएगा।

आजमा फलाह ने अंजलि अरोड़ा को कहा 'गटर', उनके तौलिये से साफ किया बाथरूम का फर्श

नई दिल्ली । कंगना रनोट की जेल में काफी धमासान मचा हुआ है। हाल ही में लॉक अप में वाइल्ड कार्ड एंट्री बनकर आईं आजमा फलाह ने पहले दिन से शो का ड्रामा कई गुना बढ़ा दिया। वह अंजलि को से कहती हैं, 'ये जिसकी तौलिया है ना, वो इससे ज्यादा गटर है। वह इस फ्लोर से भी ज्यादा गंदी है।' जब अंजलि को आजमा की हरकत के बारे में पता चलता है, तो वह वॉशरूम के अंदर जाती हैं

परेशान करने के लिए शिवम के साथ योजना बनाती हैं। बाद में वो अंजलि कै तैलिया लेती है और उससे बाथरूम साफ करने लग जाती हैं। आजमा फलाह बाहर आकर अली से कहती हैं कि 'आप अंदर जाकर अंजलि को बताओ कि आजमा तुम्हारे तैलिए को पोछा बनाकर फर्श साफ कर रही है।' वॉशरूम में, आजमा चेतन हंसराज और अंजलि को बाथरूम के फर्श की सफाई करते हुए देखती है। अंजलि बाहर आती है और सबको बताती है कि आजमा क्या कर रही है। वह कहती है, 'आओ, इसे और साफ करते हैं।' अंजलि एक बार फिर वॉशरूम एरिया में जातीं हैं और आजमा से कहतीं हैं कि वह जगह ठीक से साफ कर ले। वह कहती हैं, 'अगर तुम सफाई कर रही हैं, तो ठीक से साफ करो।' आजमा उन्हें जवाब देती हैं, 'मुझे निर्देश मत दो' और वह अंजलि के चेहरे पर तौलिया फेंक देती हैं। अली मर्चेंट और मंदाना करीमी के आने और उन्हें रोकने पर उनका झगड़ा हो जाता है। मंदाना, आजमा से कहती हैं, 'आप किसी लड़की या लड़के के साथ ऐसा नहीं कर सकते। तुमने जो किया वह गलत था।' आजमा ने पलटवार करते हुए कहा कि अंजलि ने मेरे ऊपर हाथ उठाया। मंदाना उससे कहती है, 'नहीं, मैंने देखा। तुमने अंजलि के ऊपर तौलिया फेंका था। आप उस स्तर के नहीं हैं।' मंदाना हाथों के इशारों में उनकी ऊंचाई की तुलना करती हैं। आजमा उसे बॉडी-शेम न करने के लिए कहती है, मंदाना जवाब देती है, 'तुम्हारी औकात नहीं है।' आजमा ने पलटवार करते हुए कहा, 'आपको फिल्में मिलना बंद हो गईं फ्लॉप हीरोइन।' मंदाना जाकर बताती है कि आजमा ने सब पढ़ लिया है और उसने अंजलि पर हमला करने की कोशिश की। पायल रोहतगी ने आजमा को उनसे बदला लेने के लिए धन्यवाद दिया। वह कहती हैं, 'आपने जो कुछ भी किया, मुझे लगता है कि मुझे न्याय मिला है। यह अच्छा लग रहा है।' बाद में, आजमा और मंदाना दोनों ऑरेंज टीम का हिस्सा बनना चुनती हैं।

'देवों के देव महादेव' की 'पार्वती' ने डीप नेक स्किन टाइट ड्रेस पहन दिए ऐसे-ऐसे पोज, फोटो देखकर छूटे फैंस के पसीने

नई दिल्ली । टीवी शो 'देवों के देव महादेव' में पार्वती के रोल से अपनी खास इमेज बनाने वाली

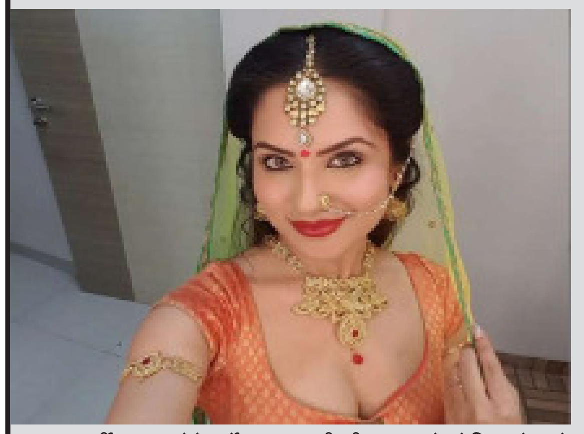

पूजा बनर्जी आज छोटे पर्दे का एक जाना माना नाम हैं। पूजा ने करियर में कई शोज और म्यूजिक वीडियोज में काम कर अपनी एक्टिंग का दम दिखाया है। फिल्हाल पूजा टीवी की दुनिया से थोड़ा दूर हैं और अपनी फैमिली लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। लेकिन वह अपने फैंस के साथ लगातार सोशल मीडिया के जरिए जुड़ी हुई हैं। पूजा अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड फोटोज और वीडियोज के जरिए फैंस को हैरान करती रहती हैं। इसी बीच पूजा के ड्रेसिंग सेंस ने फिर से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यहां देखें तस्वीरें पर्दे पर सिंपल और संस्कारी किरदार निभाने वाली पूजा बनर्जी रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। अक्सर उनकी बोल्ड तस्वीरें इंटरनेट प चर्चा में बनीं रहती हैं। इसी बीच पूजा ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर फैंस को सरप्राइज दिया है। पूजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि पूजा व्हाइट कलर की ड्रेस पहने हुए हैं। उनकी ये ड्रेस बेहद ही टाइट है। इस टाइट ड्रेस को पहनकर पूजा किसी चीज के सहारे से खड़ी होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी ये ड्रेस नी लेंथ तक है। वहीं इस ड्रेस में गोल्डन कलर का बॉर्डर है जो इस ड्रेस को और भी खूबसूरत बना रहा है। वहीं इस ड्रेस का गला काफी डीप है जिसमें उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए पूजा ने हेयर ओपन किए हुए हैं और सटल मेकअप किया हुआ है। हमेशा की तरह ही पूजा की इन तस्वीरों को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं इन तस्वीरों के साथ पूजा ने इसी ड्रेस में अपना एक डांस वीडियो भी शेयर किया है। इस पर कमेंट कर लगातार फैंस अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। इस पर कमेंट करते हुए कुछ यूजर्स पूजा के लुक पर हैरानी जताते दिख रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर की प्री ऑस्कर इवेंट की तस्वीरें, मेजबानी करने का साझा किया अनुभव

नई दिल्ली । पूर्व विश्व सुंदरी और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा काफी समय से हॉलीवुड में छाई हुई हैं और लगातार देश का नाम रोशन कर रही हैं। बीती रात एक्ट्रेस साउथ एशियन एक्सीलेंस फिल्म्स के प्री ऑस्कर इवेंट में बतौर को-होस्ट नजर आईं। जो प्रियंका के लिए गर्व से भरी शाम रही है। इवेंट में एक्ट्रेस के देसी लुक ने खूब सुर्खिया ऑस्कर समारोह का आयोजन करना कितना विशेष सम्मान था, जो इसे संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक प्रयास करते हैं। पिछली रात ने मुझे सभी चीजें एहसास करा दी, और मुझे इतना गर्व से भर दिया कि हमारी कम्यूनिटी कितना आगे आ गई है। मनोरंजन का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है। इस विचार को रखने के लिए अंजुला

बटोरी थी और अब प्रियंका ने शो के अपने बेहद ही खास अनुभव को अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। प्रियंका चोपड़ा ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगभग 7 से 8 तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वे इवेंट के और भी कई मेहमानों और मेजबानों के साथ एंजॉय करती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस रिज अहमद,अजीज अंसारी,राधिका जोनस, मनीष के गोयल और अंजुला अचारिया समेत कई और लोगों के साथ दिख रही हैं। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि इस इवेंट को को-होस्ट करना उनके लिए काफी प्राउड मोमेंट रहा। पोस्ट के कैप्शन में प्रियंका ने लिखा, 'इस साल के 10वें दक्षिण एशियाई ऑस्कर नामांकित व्यक्तियों और दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों को सम्मानित करने के लिए एक प्री- आचार्य और मनीष के गोयल के साथ ही साथ सभी सह-मेजबानों का विशेष धन्यवाद जो इस तरह की अभूतपूर्व शाम को संभव बनाने के लिए साथ आए। प्रियंका ने नामांकित लोगों को विश करते हुए लिखा,'रविवार को नामांकित लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं!आवार्ड घर ले आओ बता दें कि इस साल का ऑस्कर्स 27 मार्च को लॉस एंजीलस के डॉल्बी थिएटर में होगा। ऑस्कर का प्री इवेंट बीते बुधवार यानि 23 मार्च को हुआ। इवेंट में प्रियंका चोपड़ा ब्लैक कलर की साड़ी में देसी गर्ल बन बला की खूबसूरत लग रही थीं। प्री ऑस्कर को प्रियंका के साथ मिंडी कालिंग, कुमैल ननजियानी, अंजुला अचारिया, बेला बजारिया, मनीष के गोयल और श्रुति गांगुली ने को-होस्ट किया था।

'कपिल शर्मा खत्म, नशे में पड़ गया है' जब कॉमेडियन के बुरे वक्त में लोग करने लगे थे ऐसे कमेंट- भारती सिंह

नई दिल्ली । 'द कपिल शर्मा' शो की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। यहीं वजह है कि कपिल शर्मा को 'कॉमेडी का बादशाह' कहा जाता है। अपनी गुदगुदाने वाली कॉमेडी से लाखों दिलों पर राज करने वाले प्रतिभाशाली कॉमेडियन के फैंस हर ऐज गुरूप के हैं, जो वीकेंड पर उन्हें देखने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह एकमात्र कॉमेडी शो है, जो दर्शकों को अपने टीवी सेट से जोड़े रखने में कामयाब रहा है। कपिल शर्मा के चेहरे पर भले ही हमेशा मुस्कान रहती हो, लेकिन कॉमेडियन पिछले कुछ सालों में कई विवादों में घिरे रहे हैं। एक समय था जब सबको हंसाने वाला ये स्टार अपने करियर के बुरे दौर से गुजर रहा था। लोगों ने तो यहां तक कह दिया था कि इसका करियर खत्म हो जाएगा, क्योंकि उन्होंने आखिरी समय में काफी शोज रद्द किए थे। पर हर बार कॉमेडियन ने धमाकेदार वापसी की। कपिल की करीबी दोस्त और कॉमेडियन भारती सिंह ने उतार-चढ़ाव का सामना करने पर भी कभी हार न मानने के लिए उनकी सराहना की। भारती सिंह ने सिद्धार्थ कन्न के साथ बातचीत करते हुए कपिल की तारीफ की। जब उनसे उनकी अच्छी क्वालिटी के बारे में पूछा गया, तो

उन्होंने कहा कि कपिल ने कठिन समय के दौरान भी कभी हार नहीं मानी। भरती ने आगे कहा, 'उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लोग तो यहां तक बोलने लगे कि अब वो खत्म हो गया, नशे में पड़ गया, अब कॉमेडी खत्म। लेकिन आज भी वह अपने दम पर एक शो चला रहे हैं और चाहे अमिताभ बच्चन हों, शाहरुख खान हों, या फराह खान हों, हर कोई द कपिल शर्मा शो में आना चाहता है। बता दें कि हाल ही में द कपिल शर्मा शो के बंद होने की खबरें सामने आईं हैं। बताया जा रहा है कि कपिल आने वाले समय में विदेश में शो के लिए जाने वाले हैं, इसके अलावा उनकी कई फिल्मों की भी शूटिंग चल रही है।

'आश्रम' एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी और ऋत्विक धनजानी 'अरेंज्ड' में दिखेंगे एक साथ जानें- कहां देख सकते हैं शॉर्ट फिल्म

नई दिल्ली । एमएक्स प्लेयर की चर्चित वेब सीरीज आश्रम में बबीता का किरदार निभाकर चर्चा में आयीं एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी अब एक शादी की तैयारी कर रही लड़की के किरदार में नजर आएंगी। उनका

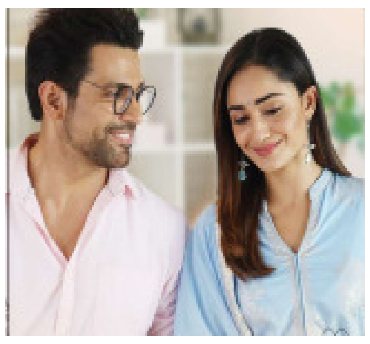

यह किरदार शॉर्ट फिल्म अरेंज्ड में नजर आएगा, जिसमें उनके साथ जाने-माने कलाकार ऋत्विक धनजानी नजर आएंगे। अरेंज्ड का प्रीमियर 25 मार्च को अमेजन के शॉपिंग ऐप पर मौजूद मिनी-टीवी पर किया जा रहा है, जिसके लिए किसी सब्सक्रिप्शन की जरूरत नहीं है। शॉपिंग ऐप पर जाकर मिनी-टीवी सेक्शन में फिल्म मुफ्त देखी जा सकती है। 'अरेंज्ड' ऋचा (त्रिधा चौधरी) और तरुण (ऋत्विक धनजानी) की कहानी है, जो अपने माता-पिता की मौजूदगी में यह पता लगाने के लिए मिलते हैं कि क्या वे अरेंज मैरिज के लिए अनुकूल हैं। बातचीत के दौरान दोनों एक-दूसरे के बारे में नई चीजें खोजते हैं, जो उनके लिए बिल्कुल नया है। क्या इस नई जानकारी से दोनों जुड़ेंगे या उन्हें झटका लगेगा 'अरेंज्ड' ऐसे युवा भावी जोड़ों के जीवन पर प्रकाश डालता है, जो कुछ बाधाओं और अनिश्चितताओं के बीच अपना रास्ता खोजते हैं। शॉर्ट फिल्म का निर्माण टेरीबली टाइनी टेल्स ने किया है, जबकि निर्देशन रितेश मेनन का है। ऋत्विक धनजानी पवित्र रिश्ता शो में अर्जुन का किरदार निभाकर चर्चा में आये थे। छोटे पर्दे पर उन्होंने काफी काम किया है और धारावाहिकों के अलावा रिएलिटी शोज में भी नजर आते रहे हैं। कार्टेल वेब सरीजी में ऋत्विक मुख्य स्टार कास्ट का हिस्सा थे। इस सीरीज का निर्माण एकता कपूर ने किया था। वहीं, त्रिधा भी ओटीटी स्पेस का जाना-पहचाना चेहरा हैं। आश्रम के अलावा उन्होंने दहलीज, बंदिश बैंडिट्स जैसे शोज किये हैं। अमेजन मिनी-टीवी पर इससे पहले शॉर्ट फिल्म 'जहान' रिलीज हुई थी, जिसका निर्माण अनबॉक्स फिल्म्स ने किया है, जबकि सेलिना जॉन का निर्देशन है।

बेटी के कातिलों की तलाश में 'माई' साक्षी तंवर, देखें नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज का धांसू ट्रेलर

नई दिल्ली । नेटफ्लिक्स ने अपनी अपकमिंग वेब सीरीज माई का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर वेब सीरीज है, जिसे अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा की प्रोडक्शन कम्पनी क्लीन स्लेट्ज ने प्रोड्यूस किया है। अनुष्का ने कुछ दिनों पहले ही इस प्रोडक्शन कम्पनी से अलग होने का एलान

किया था। माई में साक्षी तंवर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राइमा सेन और वामिका गब्बी समेत कई जाने-माने चेहरे अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। साक्षी एक ऐसी मां की भूमिका में हैं, जो अपनी बेटी के कातिलों की तलाश में निकली है। उसे इस सवाल का जवाब चाहिए कि उसकी बेटी को आखिर क्यों मारा गया ट्रेलर की शुरुआत में दिखाते हैं कि बेटी बनी वामिका गब्बी को एक ट्रक साक्षी की आंखों के सामने रौंदते हुए निकल जाता है। बेटी के कातिलों की तलाश करते हुए साक्षी को धमकियां मिलती हैं। उसे आगे बढ़ने से रोकने के लिए हतोत्साहित किया जाता है। जानलेवा हमले किये जाते हैं। ट्रेलर कहानी के लिए उत्सुकता जगाने में कामयाब रहता है और सीरीज के लिए बेकरारी बढ़ाता है। ट्रेलर में साक्षी बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आती हैं। उनके कैरेक्टर की कई परतें हैं। साक्षी ने अब तक जितने किरदार निभाये हैं, यह उन भूमिकाओं से अलग है। साक्षी इससे पहले ऑल्ट बालाजी की कर ले तू भी मोहब्बत, जी5 की द फाइनल कॉल और ऑल्ट बालाजी-जी5 की मिशन ओवर मार्स वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। साक्षी अब डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी की फिल्म पृथ्वीराज में एक भूमिका में दिखेंगी, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। इससे पहले द्विवेदी की फिल्म मोहल्ला अस्सी में साक्षी ने सनी देओल के किरदार की पत्नी का किरदार निभाया था। वहीं, वामिका डिजने प्लस हॉटस्टार की सीरीज ग्रहण से चर्चा में आयी थीं और नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई फिल्म 83 में भी वो एक किरदार में नजर आयी हैं।

सिनेमाघरों में पहुंची राजामौली की 'आरआरआर', यहां जानिए सभी देसी-विदेशी कलाकारों के किरदार

नई दिल्ली । आखिरकार, वो लम्हा आ ही गया, जब एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म आरआरआर सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी और इसके साथ राजामौली का बड़े पर्दे पर पांच साल का वनवास भी खत्म हुआ। 2017 की फिल्म बाहुबली 2 के बाद राजामौली ने इस बीच सिर्फ आरआरआर पर ही काम किया है। हालांकि, कोरोना वायरस वाराणसी तक को कवर किया है। आरआरआर एक पीरियड फिल्म है, जिसकी कहानी बीसवीं सदी के आरम्भ में सेट की गयी है। आरआरआर में ब्रिटिश काल को दिखाने के लिए हैदराबाद की रामोजी फिल्मसिटी में विशाल और भव्य सेटों का निर्माण किया गया था। फिल्म का बजट 350-400 करोड़ के बीच बताया जाता है। कहानी

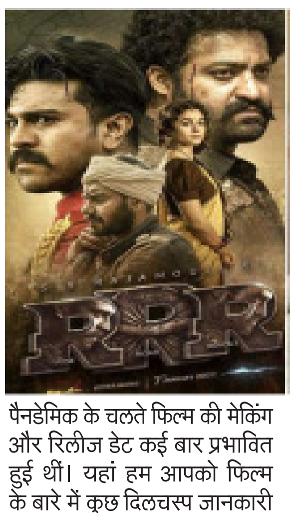

पैनडेमिक के चलते फिल्म की मेकिंग और रिलीज डेट कई बार प्रभावित हुई थीं। यहां हम आपको फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारी दे रहे हैं- आरआरआर मूल रूप से तेलुगु भाषा में बनायी गयी फिल्म है, जो दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी में भी बड़े पैमाने पर रिलीज की जा रही है। हिंदी बेल्ट में फिल्म को लेकर निर्माताओं की संजीदगी की मिसाल हैं वो सिटी टूर्स, जो राजामौली ने अपने नायकों राम चरन और एनटीआर जूनियर के साथ पूरे भारत में किये। उत्तर भारत में राजामौली ने अमृतसर, दिल्ली और जयपुर से लेकर के केंद्र में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ दो स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष है। यह स्वतंत्रता सेनानी कोमाराम भीम और अल्लूरी सीताराम राजू हैं। कोमाराम भीम के किरदार में एनटीआर जूनियर और सीताराम राजू के रोल में राम चरण हैं। ट्रेलर में दर्शक इन दोनों किरदारों से मिल ही चुके हैं। कोमाराम भीम जहां आदिवासी समुदाय से निकले थे, वहीं सीताराम राजू को ब्रिटिश सरकार में पुलिस अफसर दिखाया गया है, जो बाद में आजादी की लड़ाई में भीम का साथी बनता है। भीमा राम के बारे में राजामौली ने बताया था कि उन्होंने पारम्परिक तौर-तरीकों से शिक्षा हासिल नहीं की थी और जवानी में ही अपना गांव छोड़कर चले गये थे। लेकिन, जब वापस आये तो पढ़े-लिखे व्यक्ति थे। उन्होंने आदिवासियों के लिए निजाम के शासन के खिलाफ जंग छेड़ी थी। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध शैली अपनायी थी और बाद में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए थे। फिल्म में अजय देवगन और आलिया भट्ट का कैमियो है। अजय का किरदार फ्लैशबैक में आता है, जबकि आलिया भट्ट सीता नाम का किरदार निभा रही हैं। श्रिया सरन अजय की पत्नी के किरदार में हैं। इन भारतीय कलाकारों के अलावा फिल्म में कुछ विदेशी चेहरे भी दिखेंगे। ओलिविया मॉरिसः इन विदेशी कलाकारों में एक हैं ओलिविया मॉरिस, जो फिल्म में जेनिफर नाम का किरदार निभा रही हैं। ब्रिटिश एक्टर ओलिविया मुख्य रूप से 7 ट्रेल्स इन 7 डेज मिनी सीरीज के लिए जानी जाती हैं। एलिसन डूडीः ओलिविया के अलावा आयरिश एक्ट्रेस एलिसन डूडी फिल्म में मिसेज स्कॉट का किरदार निभा रही हैं। एलिसन ने जेम्स बॉन्ड फिल्म अ व्यू टू अ किल से फिल्मों में डेब्यू किया था, जो 1985 में आयी थी और रोजर मूर जेम्स बॉन्ड के किरदार में थे। 56 साल की एलिसन इंडियाना जोंस एंड द लास्ट क्रूसेड और द एक्टर्स जैसी फिल्मों में दिख चुकी हैं। आखिरी बार वो 2019 की फिल्मों द राइजिंग हॉक और म्यूज में नजर आयी थीं। में एलिसन का किरदार कथित तौर पर प्रतिनायिका का है।

श्रद्धा कपूर ने रोहन श्रेष्ठा से ब्रेकअप की खबरों के बीच शेयर की बेहद अजीब पोस्ट, देखकर हर कोई हुआ हैरान

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर उन स्टार्स में से हैं जो अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की वह लौटते वक्त वह एयरपोर्ट पर अकेली ही नजर आई थीं।

प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। वहीं अगर श्रद्धा की लवलाइफ की बात करें तो उनके फैंस उनके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने चाहते हैं। काफी वक्त से श्रद्धा कपूर फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठा संग रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रही हैं। लेकिन दोनों हमेशा ही अपने रिश्ते पर कुछ भी बोलने से बचते नजर आए हैं। श्रद्धा और रोहन एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वहीं कई बार दोनों की शादी की खबरें भी सामने आई हैं। लेकिन अब इन सबके बीच दोनों के अलग होने की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो श्रद्धा कपूर और रोहन श्रेष्ठा की राहें हो चुकी हैं। वहीं अब ब्रेकअप की खबरों के बीच श्रद्धा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। यहां देखें तस्वीर श्रद्धा कपूर ने है। इस तस्वीर में वह बेहद ही सिंपल यानी नो मेकअप लुक में दिख रही हैं। तस्वीर से कहीं ज्यादा इसके साथ शेयर किया गया इसका कैप्शन है। इस तस्वीर को पोस्ट करने के साथ एक्ट्रेस ने लिखा है, 'और सुनाओ उनका ये कैप्शन सेशल मीडिया पर चर्चा में बना हुआ है। वहीं इस पर फैंस के लगातार रिएक्शन आ रहे हैं आपको बात दें कि पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि बीते 4 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद अब श्रद्धा कपूर और रोहन श्रेष्ठा ने अपने राश्ते अगल कर लिए हैं। बता दें कि ब्रेकअप की खबरें इस लिए भी ज्यादा चर्चा में आ रही हैं क्योंकि श्रद्धा कपूर के जन्मदिन के खास दिन पर रोहन उनकी बर्थडे पार्टी में नजर नहीं आए। दरअसल, 3 मार्च को ही श्रद्धा कपूर ने गोवा में अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया था। वहीं गोवा से

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।